वर्ष-10 अंक-230 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, शनिवार 23 नवम्बर, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

नगर संस्करण

10

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

YouTube आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे पीएम मोदी, इफको करेगा मेजबानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वैश्विक सहकारी आंदोलन के लिए प्रमुख निकाय, अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन

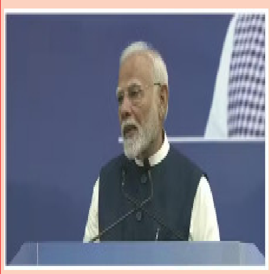

(आईसीए) के 130 साल के लंबे इतिहास में पहली बार इफको की पहल पर आईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन की मेजबानी भारत की तरफ से की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे। इसकी घोषणा सहकारी संस्था इफको, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन की तरफ से संयुक्त रूप से की गई है। वैश्विक सहकारी आंदोलन के लिए प्रमुख निकाय, अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 साल के लंबे इतिहास में पहली बार इफको की पहल पर आईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन की मेजबानी भारत की तरफ से की जाएगी। सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने बताया कि गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह 25 नवंबर 2024 को दोपहर 3 बजे कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे मुख्य अतिथि के रूप में वैश्विक सहकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

एसबीआई की वारंगल ब्रांच से 13.61 करोड़ का सोना लूटा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक अधिकारी ने बताया कि लुटेरों ने ब्रांच के अंदर जाने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया था। ब्रांच को लूटने का तरीका 2022 में निजामाबाद जिले के मेंडोरा मंडल के बुस्सापुर गांव में हुई बैंक डकैती के समान थी। तेलंगाना के वारंगल जिले के रायपर्थी में सोमवार की आधी रात को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ब्रांच में हुई डकैती ने पुलिस को हैरान कर दिया। लुटेरों ने लगभग 19 किलो सोने के आभूषण लूटकर ले गए। इसकी कीमत 13.61 करोड़ रुपये बताई गई है। आभूषण लूटने के अलावा लुटेरे वीडियो रिकॉर्डर भी अपने साथ ले गए, जिससे की पुलिस को कोई सबूत न मिले। तेलंगाना में इस डकैती को अबतक की सबसे बड़ी डकैती के रूप में देखा जा रहा है।

सरदारों पर बने चुटकुलों पर अदालत गंभीर, कहा- बच्चों और समुदायों को संवेदनशील बनाने की जरूरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस समस्या के हल के

लिए व्यावहारिक उपाय तलाशने का सुझाव दिया। पीठ ने कहा, इस पर विचार होना चाहिए कि क्या स्कूलों में बच्चों को संवेदनशील बनाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सिखों और सरदारों को निशाना बनाने वाले चुटकुलों के खिलाफ बच्चों और समुदायों को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। शीर्ष कोर्ट ने इसे महत्वपूर्ण मुद्दा करार दिया। कोर्ट ऐसे चुटकुलों पर रोक की मांग वाली 2015 की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस समस्या के हल के लिए व्यावहारिक उपाय तलाशने का सुझाव दिया। पीठ ने कहा, इस पर विचार होना चाहिए कि क्या स्कूलों में बच्चों को संवेदनशील बनाया जा सकता है। वकील हरविंदर चौधरी ने इस याचिका में तर्क दिया कि सिखों व सरदारों का उपहास करने वाले चुटकुले संविधान के समानता व सम्मान के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। कोर्ट सरकार को ऐसे चुटकुले चलाने वाली वेबसाइटों व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से इन्हें हटाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दे। हरविंदर चौधरी ने निजी अनुभवों का भी जिक्र किया। बताया, मैं हाईकोर्ट में बहस कर रही थी, तभी 12 बज गए और मेरा केस नंबर भी 12 था। मेरा मजाक उड़ाया गया। उन्होंने स्कूलों में सिख बच्चों को परेशान किए जाने पर भी चिंता जताई। याचिका में दावा किया गया कि शर्मिंदगी के डर से बच्चे सिंह व कौर उपनाम रखने से बचने लगे हैं। ब्यूरो पीठ ने चौधरी व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) से आठ सप्ताह में कार्रवाई योग्य सुझाव मांगे। पिछली सुनवाई में, समिति ने कहा था कि ऐसे चुटकुले सिख समुदाय की गरिमा कम करते हैं। चौधरी ने प्रस्ताव दिया, ऐसी सामग्री बनाने या साझा करने के लिए जिम्मेदार लोगों को राष्ट्रीय कानूनी सहायता कोष में मुआवजा देना चाहिए।

बादलों के निर्माण को भी प्रभावित कर रहा माइक्रोप्लास्टिक, अध्यन में चौकाने वाला खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अध्ययन के अनुसार प्लास्टिक के महीन कण बर्फ के नाभिकीय कणों के रूप में व्यवहार करते हैं। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने चार प्रकार के महत्वपूर्ण माइक्रोप्लास्टिक्स की पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) और पॉलीइथिलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) शामिल हैं। पहले प्लास्टिक को पानी की बूंदों में लटकाया और बर्फ बनने का अध्ययन करने के लिए उन्हें धीरे-धीरे ठंडा किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिस

जांच की, ताकि यह समझा जा सके कि वे बर्फ के जमने को किस तरह से प्रभावित करते हैं। माइक्रोप्लास्टिक की समस्या कितनी बड़ी है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वातावरण में मौजूद प्लास्टिक के ये महीन कण बादलों के निर्माण से लेकर बारिश और यहां तक की जलवायु व मौसम के पैटर्न को भी प्रभावित कर रहे हैं। यह जानकारी पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी से जुड़े वैज्ञानिकों के अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे जर्नल एनवायर्नमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी : एयर में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन के अनुसार, प्लास्टिक के महीन कण बर्फ के नाभिकीय कणों के रूप में व्यवहार करते हैं। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने चार प्रकार के महत्वपूर्ण माइक्रोप्लास्टिक्स की जांच की, ताकि यह समझा जा सके कि वे बर्फ के जमने को किस तरह से प्रभावित करते हैं। इनमें कम घनत्व वाली पॉलीइथिलीन (एलडीपीई), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी), औसत तापमान पर बूंदें जमीं, वह माइक्रोप्लास्टिक रहित बूंदों की तुलना में पांच से 10 डिग्री ज्यादा गर्म था। इस तरह पानी की बूंद में किसी भी प्रकार का दोष चाहे वह धूल, बैक्टीरिया या माइक्रोप्लास्टिक हो, वह उसके आसपास बर्फ बनने में मदद कर सकते हैं। ये छोटी संरचना बूंदों को उच्च तापमान पर भी जमने के लिए प्रेरित करती हैं, लेकिन गतिशील चुंबकीय क्षेत्र बर्फ के नाभिकीकरण को बाधित करते हैं। बर्फ के नाभिकीकरण में व्यवधान होने पर बर्फ का निर्माण रुक जाता है। प्लास्टिक के महीन कणों के कारण बर्फ के नाभिकीकरण में गर्मी हस्तांतरण की दर में बदलाव हो जाता है या दबाव बढ़ जाता है। इसलिए बादलों में बर्फ निर्माण की माइक्रोप्लास्टिक की क्षमता के कारण मौसम और जलवायु पर व्यापक असर पड़ रहा है। जब बादलों में ज्यादा बर्फ होती है तो वो बारिश के पैटर्न को प्रभावित करती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जब हवा के पैटर्न बूंदों को ऊपर उठाते और ठंडा करते हैं ।

अस्पताल से लाए गए जिरीबाम हिंसा में मृत लोगों के शव, गतिरोध खत्म अब अंतिम संस्कार की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मणिपुर के जिरीबाम में मारे गए लोगों के शवों को अस्पताव से वापस लाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मणिपुर के जिरीबाम जिले में एक संयुक्त कार्रवाई समिति ने उस हिंसा में मारे गए मैतेई समुदाय जिरीबाम जिले के जकुरधोर में दो बुजुर्गों के जलने हुए शव मिले और फिर तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव जिरीबाम और असम के कछार जिले में नदियों में तैरते हुए पाए गए। उन्हें कथित तौर पर कुकी-जो उग्रवादियों ने एक राहत शिविर से अगवा किया था। ये शव

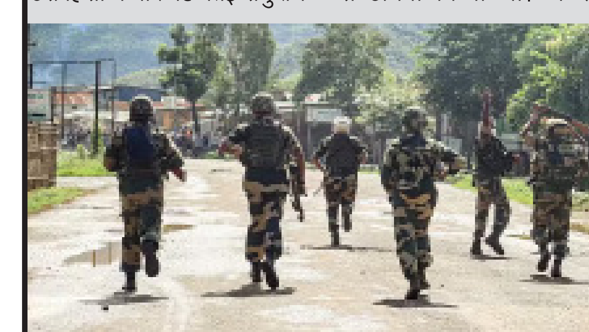

के नौ लोगों के शवों को असम के सिलचर से उनके पैतृक गांवों में वापस लाने का फैसला किया गया है। मणिपुर में चल रही हिंसा दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही हैं। इसी बीच जिरीबाम में मारे गए लोगों के शवों को अस्पताव से वापस लाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि मणिपुर के जिरीबाम जिले में एक संयुक्त कार्रवाई समिति ने उस हिंसा में मारे गए मैतेई समुदाय के नौ लोगों के शवों को असम के सिलचर से उनके पैतृक गांवों में वापस लाने का फैसला किया है ताकि उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। इस मामले में समिति के संयोजक वाई संजय ने एक वीडियो संदेश में कहा कि शवों को सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया था जिन्हें अब जिरीबाम भेजा जाएगा, जहां उनके परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार करेंगे। बता दें कि 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और कुकी-जो उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के दौरान नौ लोग लापता हो गए थे। जिनमें 10 उग्रवादी मारे गए थे। वहीं कुछ दिनों बाद अत्यधिक सड़े-गले थे और पोस्टमार्टम के लिए एसएमसीएच भेजे गए थे। मृतकों में युमरेम्बम रानी देवी, तेलेम थोइबी देवी, उनकी बेटी तेलेम थजमनबी देवी, लैशराम हेथोइबी देवी, और उनके दो बच्चों लैशराम चिंगखेनगांबा सिंह और लैशराम लमंगनबा सिंह शामिल थे। जानकारी के अनुसार इन शवों के मिलने के बाद जिरीबाम जिले और इंफाल घाटी में हिंसा भड़क उठी। विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की, जिसमें एक प्रदर्शनकारी अथौबा मारा गया। उसका शव भी पोस्टमार्टम के लिए एसएमसीएच भेजा गया। बता दें कि शुरुआत में समिति ने तब तक शवों को अंतिम संस्कार के लिए नहीं लाने का निर्णय लिया था, जब तक मणिपुर सरकार उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन नहीं देती। लेकिन जब राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने का निर्णय लिया, तो समिति ने शवों को अंतिम संस्कार के लिए वापस लाने का फैसला किया।

केवल ब्रेकअप पर नहीं चल सकता मुकदमा, सहमति वाला रिश्ता शादी तक न पहुंचना अपराध नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शादी का झांसा देकर बार-बार दुष्कर्म के मामले में हो

रहे बढ़तरी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि यदि सहमति वाला रिश्ता विवाह तक नहीं पहुंच पाए, तो उसे आपराधिक रंग नहीं दिया जा सकता। देश में लगातार शादी का झांसा देकर बार-बार दुष्कर्म के मामले में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी सिलसिले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने इस मामले में कहा कि यदि सहमति वाला रिश्ता विवाह तक नहीं पहुंच पाए, तो उसे आपराधिक रंग नहीं दिया जा सकता। शीर्ष कोर्ट ने आरोपी युवक के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करते हुए कहा, सहमति वाले रिश्ते में सिर्फ ब्रेकअप हो जाने पर दुष्कर्म का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने आरोपी अपीलकर्ता की यह दलील स्वीकार कर ली कि युवती की सहमति से ही उनके बीच लंबे समय तक संबंध रहे थे। पीठ ने कहा, युवती की सहमति के बिना आरोपी के साथ अरसे तक उसका रिश्ता बना रहना अकल्पनीय है। कोर्ट ने इस आरोप पर आश्चर्य जताया कि आरोपी ने शिकायतकर्ता का पता खोजा और उससे जबरन संबंध बनाए। पीठ ने कहा, आरोपी को शिकायतकर्ता का पता तब तक नहीं मिल सकता था, जब तक कि वह खुद न बताए। बिना बताए घर का पता खोज लेना असंभव होगा। कोर्ट ने कहा, यह अकल्पनीय है कि शिकायतकर्ता मर्जी के बिना अपीलकर्ता से मिलना जारी रखेगी या उससे अरसे तक संबंध बनाए रखेगी। शिकायतकर्ता ने 2019 में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि आरोपी ने शादी के झूठे वादे किए, धमकी देकर संबंध बनाए। आरोपी की याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। वह फिर शीर्ष कोर्ट पहुंची। शीर्ष कोर्ट ने गौर किया कि दोनों पक्ष अब विवाहित हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ चुके हैं।

प्लाट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। थाना सेक्टर-63 नोएडा पर एक प्रार्थना पत्र अभियुक्त अरविन्द सिंह पुत्र बाबूराम द्वारा अशोक, हर्षित व एक अन्य साथी के साथ मिलकर वादी को सेक्टर-36 नोएडा में प्लॉट दिखाने एवं उसको आधे रेट पर दिलाने का ऑफर देकर फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर वादी से 69,16,000 रुपए हड़प लेने एवं वादी द्वारा अपने पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के संबंध में दिया गया था। जिस पर थाना सेक्टर-63 पर मु0अ0सं0 294/2023 धारा420/406/504/467/468/471/506 भादवि पंजीकृत किया गया था। पुलिस कार्यवाही का विवरणः थाना सेक्टर-63 नोएडा पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर प्लॉट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला वांछित अभियुक्त अरविन्द सिहं पुत्र बाबू राम को अभियुक्त के ऑफिस ए-82 सेक्टर-63, नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। उक्त अभियोग में नामित अभियुक्त अशोक पूर्व से ही जेल में बंद है तथा अन्य नामित अभियुक्त हर्षित एवं एक अन्य साथी की गिरफ्तारी के हर संभव प्रयास जारी है। अपराध करने का तरीकाः अभियुक्त अरविंद सिंह उपरोक्त द्वारा अशोक, हर्षित व एक अन्य साथी के साथ मिलकर वादी को सेक्टर-36, नोएडा में एक प्लॉट दिखाया गया तथा बताया गया कि वह यह प्लॉट आधे रेट में दिला देगा। अभियुक्त अरविंद सिंह द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर वादी पक्ष से धीरे-धीरे पैसे लेने शुरू किया और कुल मिलाकर 69,16,000 रुपए हड़प लिए। जब 6 महीने बीतने पर भी कोई रजिस्ट्री नही हुई तो वादी पक्ष द्वारा अभियुक्त से रजिस्ट्री के संबंध में कहा गया तो अभियुक्त अरविंद सिंह बहाने बनाता रहा। वादी पक्ष द्वारा प्लाट के संबंध में पता किया तो पता चला कि इस प्लाट के मालिक की 20 वर्ष पहले ही मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार गिरफ्तार अभियुक्त अरविंद सिंह द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर वादी पक्ष से प्लाट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की गई है।

असम में सभी छह शवों का हुआ पोस्टमार्टम, परिवार के लोगों ने अंतिम संस्कार करने से किया मना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मणिपुर। पिछले साल मई से शुरू हुए जातीय संघर्षों में अब तक 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इंफाल घाटी के मैतेई और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी-जो समुदायों के बीच यह संघर्ष चल रहा है। हिंसा की शुरुआत मैतेई समुदाय के अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा मांगने के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'जनजातीय एकता मार्च' के बाद हुई थी।मणिपुर के जिरीबाम जिले से लापता हुए छह लोगों के शवों का पोस्टमॉर्टम पूरा हो चुका है, लेकिन परिवारों ने अब तक शवों को अंतिम संस्कार के लिए स्वीकार नहीं किया है। शव असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएमसीएच) की मॉर्चरी में रखे गए हैं। यह जानकारी गुरुवार को सूत्रों ने दी। आखिरी शव सोमवार को असम के कछार जिले में बराक नदी में तैरता हुआ मिला, जिसके

बाद उसका पोस्टमॉर्टम एसएमसीएच में किया गया। सूत्रों के अनुसार, 'एसएमसीएच में सभी छह शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है और संबंधित डॉक्टरों ने रिपोर्ट तैयार कर ली है। हालांकि, यह तय नहीं है कि इन शवों को मणिपुर कब ले जाया जाएगा ताकि उन्हें परिवारों को सौंपा जा सके। सूत्र के अनुसार, हमें बताया गया है कि जिरीबाम के मौजूदा हालात को देखते हुए परिवार अभी शवों को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं हैं। मणिपुर पुलिस उन्हें शव स्वीकार कर अंतिम संस्कार करने के लिए समझाने का प्रयास कर रही है। असम पुलिस, जो अस्पताल और मॉर्चरी में इन शवों की सुरक्षा कर रही है, ने मणिपुर पुलिस से अनुरोध किया है कि वे जल्द से जल्द इन शवों को ले जाएं। 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी-जो उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 10 उग्रवादियों की मौत के बाद जिरीबाम से लापता हुए छह लोगों के शव पिछले कुछ दिनों में जिरी नदी (मणिपुर) और बराक नदी (असम) से मिले। शव एसएमसीएच में 'काफी सड़े-गले' अवस्था में लाए गए थे।

शिवसेना नेता ने जताया महायुति की जीत का भरोसा, कहा- लोगों ने विकास के एजेंडे पर दिया वोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बुधवार को राज्य में 288 विधानसभा सीटों पर करीब 65 फीसदी मतदान हुआ था। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि 2019 में 61.74 फीसदी मतदान हुआ था। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर मतदान हो चुका है। सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी का भविष्य ईवीएम में कैद है। 23 नवंबर को मतगणना के बाद खुलासा होगा कि किसके सिर महाराष्ट्र की सत्ता का ताज सजेगा। इससे पहले कल्याण से सांसद और शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने चुनाव में महायुति की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने विकास के एजेंडे पर वोट

दिया है। शिंदे ने कहा कि जिस तरह से हमने विकास कार्य किए और कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, उसका परिणाम है कि मतदान प्रतिशत बढ़ गया है। लोगों ने फिर से महायुति सरकार बनाने के लिए वोट दिया है। उन्होंने कहा कि हमारा अभियान विकासोन्मुखी और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में था। लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया और मुस्लिम और बौद्ध समुदायों को डराने का प्रयास किया था। मगर विधानसभा चुनाव में लोगों ने केवल विकास के एजेंडे पर वोट दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजों के बाद महायुति के नेता एक साथ बैठकर तय करेंगे कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री कौन होगा। हमारे गठबंधन में सीएम बनने के लिए नेताओं के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। हम अगले पांच सालों में और अधिक विकास कार्य करने के लिए सरकार बनाना चाहते हैं। पिछले ढाई साल में महाविकास अघाड़ी ने केवल इस पर चर्चा की कि सीएम कौन होगा।

GEM OF आधुनिक भारत

प्रतिभा किसी मंच की मोहताज नहीं होती। कुछ ऐसा ही जज्बा लगन है प्रयागराज के कवि साहित्यकार एवं स्टेट कारडिनेटर इंडिया स्पेस वीक नोडल सेंटर इसरो। डा. प्रभांशु जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। आपको राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित भी किया जा चुका है।अभी सन 2023 में आपकी पुस्तक डां प्रभांशु की कलम से को उ0प्र0 सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है। आप स्टेट कारडिनेटर इंडिया स्पेस वीक नोडल सेंटर इसरो प्रयागराज में कार्यरत हैं। आप पूरे उ0प्र0 के हर स्कूल/कालेज/विश्वविद्यालयों/महाविद्यालय में अंतरिक्ष शिक्षा पर जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। आपका आकाशवाणी दूरदर्शन पर निरंतर कार्यक्रम होता रहता है।

लेखक परिचय- सृष्टि यादव का जन्म 6 सितम्बर सन् 1999 में उत्तर प्रदेश के जनपद मिर्जापुर में एक सुशिक्षित मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता श्री लालजी यादव भारतीय जीवन बीमा निगम में कार्यरत है, और उनकी माता श्रीमती ऊषा देवी एक गृहिणी है। सन् 2021 में वो एक गैर सरकारी संगठन की सदस्य बनी ,जिसमें वो कई जागरूकता अभियान का हिस्सा रही और साहित्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी रही और अपना स्थान भी बनाया । उनकी 15 से अधिक साझा संकलन कृतियां प्रकाशित हुईं है

पुलिस लाइन में कुंभ मेला तैयारी के दृष्टिगत समीक्षा बैठक आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक्स लखनऊ उत्तर प्रदेश राजकुमार द्वारा बृहस्पतिवार को पुलिस लाइन प्रयागराज में कुंभ मेला के तैयारी के दृष्टिगत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के उपरांत परिवहन शाखा, घुड़सवार पुलिस, शस्त्रागार एवं 112 का निरीक्षण किया गया एवं वाहनों के रखरखाव, वाहनों में पेट्रोल कार्ड से ही पेट्रोल/डीजल भरने, गाड़ियों पर कुंभ लोगो लगवाने, घोड़ों की देखभाल हेतु दिशा निर्देश दिए गया तथा शस्त्रों के रखरखाव एवं समय-समय पर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा निरीक्षण करने डायल 112 की गाड़ियों का रूट चार्ट निर्धारण, रिस्पांस टाइम कम करने एवं अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज ज़ोन, पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज रेंज, पुलिस आयुक्त प्रयागराज, डीसीपी नगर अभिषेक भारती ,एसएसपी कुंभ मेला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डफ़्रिन अस्पताल प्रयागराज एक बार फिर सुर्खियों में आया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इस बार मामला मीडिया कर्मियों के अस्पताल के अंदर प्रवेश को लेकर जुड़ा हुआ है। अस्पताल के प्रवेश द्वार के अंदर गार्ड ने महिला मीडिया को रोक दिया कि बिना परिचय पत्र के अंदर माना है , गार्ड ने कि अस्पताल के अंदर मीडिया कर्मियों का प्रवेश बिना अधीक्षक की अनुमति के प्रतिबंधित कर दिया गया है। अब अगर अस्पताल के अंदर किसी अव्यवस्था अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलेगी, तो अधीक्षक की अनुमति मिलने पर ही कवरेज की जा सकेगी।अधीक्षक साहिबा ने तुगलतो फरमान जारी करते हुए महिला मीडिया परिचय पत्र चेक करने का आदेश दिया और उसकी फोटो कॉपी भी जमा करवा ली।

यूपी पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा के नतीजे घोषित,इस तरह चेक करें अपना परिणाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ।यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के रिजल्ट का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खुशखबरी।पुलिस भर्ती बोर्ड ने यूपी पुलिस कांस्टेबल रिजल्ट घोषित कर दिया है।60244 पदों के लिए लगभग लाखों अभ्यर्थियों ने इस बार परीक्षा दी थी।अभ्यर्थियों का ये इंतजार आज रिजल्ट आने के साथ ही खत्म हो गया।अभ्यर्थी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट देख सकते हैं। कहां चेक करे रिजल्ट परिणाम uppbpb.gov.in पर जाकर क्लिक कर देख सकते हैं।लिखित परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों का फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन जनवरी 2025 के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित बताया जा रहा है।यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में लगभग 48 लाख पंजीकृत थे,जिसमें से लगभग 32 लाख ने पेपर दिया।यूपी पुलिस कांस्टेबल की परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को हुई थी। पेपर लीक के बाद दोबारा हुई परीक्षा पुलिस के लिए आरक्षी (सिपाही) की भर्ती परीक्षा यूपी के 1,174 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई थी।दो शिफ्ट में आयोजित परीक्षा में पहले दिन लगभग 4.50 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे।अभ्यर्थी कड़ी सुरक्षा और कई चरणों की जांच के बाद परीक्षा केंद्र में दाखिल हुए थे।इस साल 17 और 18 फरवरी को आयोजित भर्ती परीक्षा पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थीसजिसके बाद परीक्षा फिर से हुई थी।

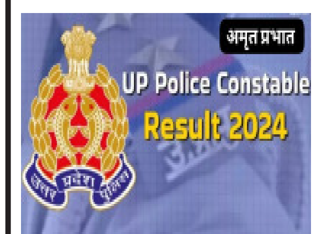

गर्ल्स हाइस्कूल एंड कॉलेज सिविल लाइन में यातायात जागरूकता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। गर्ल्स हाइस्कूल एंड कॉलेज सिविल लाइन में यातायात जागरूकता वर्कशाप और फायर सेफ़्टी जागरूकता वर्कशाप का आयोजन किया गया जिसमें श्री कुलदीप कुमार सिंह एडिशनल पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा यातायात नियमों की जानकारी दी गई फायर सेफ़्टी जागरूकता कार्यशाला में डॉ0 आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा अग्नि सुरक्षा के बारे में बच्चों को बताया गया और फायर एक्टिगुशर चलाने की विधि बताई गई और गैस सिलेंडर की आग बुझाने के तरीके का डिमांस्ट्रेशन किया गया श्री प्रमोद शर्मा सीएफओ नोडल अधिकारी महा कुंभ मेला द्वारा कुंभ मेला क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा के आधुनिक उपकरणों के बारे में बच्चों को बताया गया ट्रैफिक इंस्पेक्टर द्वारा यातायात के प्रतीक चिन्हों के बारे में बच्चों को बताया गया

सहायक अभियंता के 550 पदों पर होगी भर्ती, दिसंबर में शुरू होगा आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। यूपीपीएससी के उप सचिव वीरेंद्र मणि त्रिपाठी की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन)-2024 का विज्ञापन दिसंबर के पहले सप्ताह में संभावित है। इस परीक्षा के तहत जनवरी 2024 तक आयोग को सहायक अभियंता के तकरीबन 100 पदों का अधियाचन मिल चुका था। बाद में विभागों की ओर नए पदों का अधियाचन भी आयोग को भेजा गया। यूपीपीएससी को अब तक 50 पदों का अधियाचन मिल चुका है। परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम को लेकर

550 पदों पर भर्ती की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) जल्द ही सहायक अभियंता के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इसके लिए आयोग को रिक्त पदों का अधियाचन काफी पहले मिल चुका है और अब भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने में आ रही तकनीकी अड़चन को भी दूर कर लिया गया है। आवेदन की प्रक्रिया दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो जाएगी। आयोग के उप सचिव वीरेंद्र मणि त्रिपाठी की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन)-2024 का विज्ञापन दिसंबर के पहले सप्ताह में संभावित है। इस परीक्षा के तहत 550 पदों पर भर्ती की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 12 जनवरी 2024 को जारी परीक्षा कैलेंडर में ही स्पष्ट कर दिया था कि पाठ्यक्रम और परीक्षा योजना के संदर्भ में शासन से अनुमोदन मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद अब आयोग दिसंबर के पहले सप्ताह में इस भर्ती का विज्ञापन जारी करने जा रहा है।इससे पूर्व आयोग ने अगस्त-2021 में सहायक अभियंता के 283 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसमें सामान्य चयन के 271 पद और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में विशेष चयन के 12 पद शामिल थे। भर्ती के लिए 92787 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किए थे, जिनकी लिखित परीक्षा 29 मई 2022 को आयोजित की गई थी। वर्ष 2021 के विज्ञापन के तहत लोक निर्माण विभाग, आवास एवं शहरी नियोजन, नगर विकास विभाग, नगर विकास विभाग, कृषि विभाग, आवास एवं विकास परिषद, भूगर्भ जल विभाग, लघु सिंचाई विभाग, औद्योगिक विकास विभाग, गृह (पुलिस) विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में भर्तियां की गईं थीं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

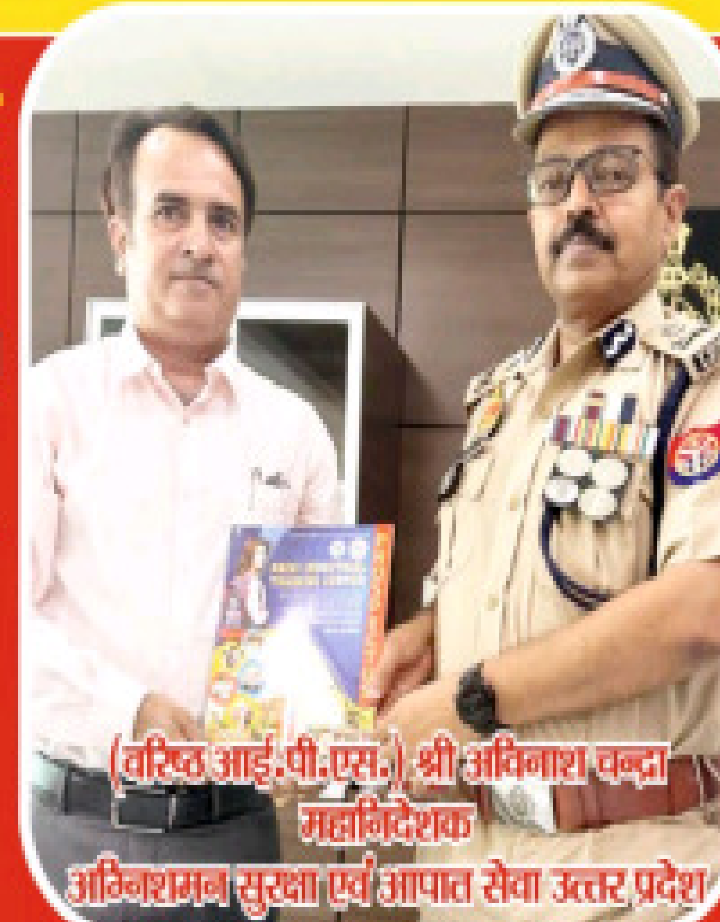

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

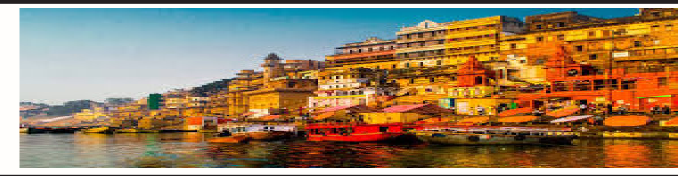

भारत

वाराणसी काशी जौनपुर, रायबरेली

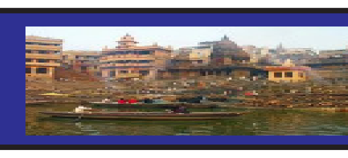

शहर के अंदर भारी वाहनों पर रोक लगायें - त्रिलोचन सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा

उद्योग व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष सरदार त्रिलोचन सिंह छाबड़ा एवं प्रदेश मंत्री सोनू वर्मा के नेतृत्व में यातायात प्रभारी अजय सिंह तोमर के साथ बैठक कर शहर में व्यापारियों को यातायात संबंधी आ रही असुविधाओं से अवगत कराया जिला अध्यक्ष सरदार त्रिलोचन सिंह छाबड़ा ने पवन समोसा के बगल से जाने वाले रास्ते की नो एंट्री के समय को कम करने के लिए मांग की, जिस पर यातायात प्रभारी ने नो एंट्री का समय कम करते हुए दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक करने के निर्देश दिए। वरिष्ठ जिला महामंत्री संदीप शुक्ल एवं नगर अध्यक्ष के .के.गुप्ता ने मुख्य बाजार एवं मुख्य मार्गो पर शराब पीकर गाड़ी चलाने पर कार्यवाही की मांग की। यातायात प्रभारी ने आकस्मिक सघन चेकिंग अभियान चलाकर कार्यवाही के निर्देश दिए, शहर के अंदर विशेष रूप से राजघाट से पुलिस लाइन चौराहा तक लगभग 10 स्कूल एवं शहर का व्यस्त मार्ग होने के कारण पीक आवर्स में भारी वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की। यातायात प्रभारी ने दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक एवं शाम 4:30 से 6:00 तक भारी वाहनों को प्रतिबंधित करने का आदेश दिया, इस अवसर पर संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, जिला मंत्री शिखर श्रीवास्तव, जिला युवा अध्यक्ष पंकज प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी विक्की सिंह, प्रशांत सिंह आदि उपस्थित रहे।

कवि कुमार विश्वास ने जीएल बजाज कालेज में गीत ग़ज़लों द्वारा समां बांधा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। स्थित जीएल बजाज शिक्षण समूह अपने उत्कृष्टता के 20 वर्षों का जश्न मना रहा है। इस गौरवपूर्ण यात्रा के जश्न की कड़ी में आज पहले दिन प्रसिद्ध कवि और लेखक कुमार विश्वास, समूह के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, मैंनेजिंग ट्रस्टी, अंशु अग्रवाल और सीईओ कार्तिकेय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कुमार विश्वास ने कवि, लेखक और मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में भाग लेकर छात्रों को संबोधित किया और अपनी कविताओं और विचारों को साझा किया। उनका संदेश सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और जीवन के प्रति एक प्रेरणादायक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाला था। कुमार विश्वास ने अपने सशक्त और आकर्षक अंदाज में छात्रों को प्रेरित किया, खासकर उन क्षेत्रों में जहां आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। उन्होंने छात्रों को न केवल अकादमिक दृष्टिकोण से बल्कि व्यक्तिगत विकास के लिए भी प्रेरित करती हैं।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर,वसूली व निर्धारित एजेंडा के कार्यों की समीक्षा कर प्रगति लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कर करेत्तर,वसूली व निर्धारित एजेंडा बिंदुओं के कार्यो की प्रगति की वरासत व अन्य राजस्व के कार्यों सहित जन समस्याएं सुनकर मौके पर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्हें अपने क्षेत्रों में राजस्व कार्यो की प्रगति के लिए करे। सिंचाई विभाग से नहरों के रख रखाव और क्षेत्र को दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। मंडी सचिवों को निर्देश दिया कि सीसीटीवी कैमरों को सही करा

समीक्षा बैठक बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिलाधिकारी ने परिवहन,आबकारी,सिंचाई, विद्युत,वन,व्यापार कर,खनन,स्टाम्प,नगर निकाय सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली के कार्यों की समीक्षा की तथा कम वसूली करने वाले विभागों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियमित रुप से निरीक्षण कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। परिवहन विभाग के अधिकारी से कहा कि अवैध वाहनों एवं यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर चालान करने की कार्यवाही नियमानुसार की जाए। जिलाधिकारी ने वाणिज्य कर विभाग को निर्देश दिया कि प्रवर्तन का कार्य बढ़ाये और नियमानुसार कर आदि की वसूली को सुनिश्चित कर लक्ष्य को प्राप्त लिया जाए। साथ ही मंडी के प्रवेश और निकासी गेट को सुरक्षित करा लिया जाए। नगर निकायों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह,अपर जिलाधिकारी(प्रशा0) सिद्धार्थ, जॉइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा,नगर मजिस्ट्रेट धीरेन्द्र श्रीवास्तव सहित समस्त उप जिलाधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मिलन सिनेमा हाल में 'द' साबरमती रिपोर्ट्स' फिल्म देखी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जनपद के मिलन

सिनेमा हॉल में द साबरमती रिपोर्टस फ़िल्म देखी। यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल-खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया। यह फिल्म न केवल तत्कालीन व्यवस्था की वास्तविकता को प्रभावशाली रूप से उजागर करती है, बल्कि उस समय प्रचारित किए गए भ्रामक एवं मिथ्या नैरेटिव का भी खंडन करती है। इस दुर्भाग्यपूर्ण एवं हृदयविदारक घटना को फिल्म में अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। उद्यानमंत्री ने कहा कि यह फिल्म इसलिए भी अवश्य देखी जानी चाहिए क्योंकि अतीत का गहन एवं विवेचनात्मक अध्ययन ही हमें वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। उन्होंने फिल्म में सराहनीय भूमिका निभाने वाले सभी कलाकारों को हार्दिक बधाई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ,जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह और जिला पंचायत सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

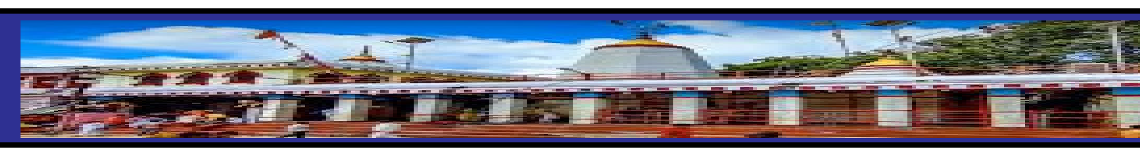

सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने किया धरना प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को सेवेन निर्मित कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी द्वारा इकदिवसी धरना प्रदर्शन देकर अपनी मांगों को लेकर किया बुलंद प्रधानमंत्री नामित ज्ञापन डीएम प्रतिनिधि को

देखकर की मांग। सूरजबली सिंह अध्यक्ष जनपद-ने बताया कि-राशिकरण की धनराशि की वसूली 10 वर्ष पर बन्द करने व अधिक वसूली की गयी धनराशि को पेंशनर के खाते में वापस करने एवं 2-पेंशनर को अवधि के आधार पर पेंशन में बढ़ोत्तरी किये जाने के सम्बन्ध म सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 11 नवम्बर 2024 को आप महानुभावों को पत्र भेजा गया है, जिसमें पेंशनरों से सम्बन्धित प्रमुख रूप से उक्त ज्वलंत समस्याओं के निवारण का अनुरोध किया गया है। उल्ले- -खनीय है कि इन दोनों बिन्दुओ पर पूर्व में भी संगठन द्वारा समय पर आन्दोलनात्मक कार्यवाही के माध्यम से ध्यानाकर्षण का प्रयास किया जा चुका है। साथ ही उच्च स्तर पर वार्ता एवं पत्रों के माध्यम से भी अनुरोध किया गया कि इन समस्याओं का हल शीघ्र निकाला जाये, परन्तु अभी तक कोई निर्णय नही हो सका है। आज की आम सभा के माध्यम से पुनः उक्त बिन्दुओं को निम्न रूप से ध्यानाकर्षण हेतु प्रस्तुत किया आ रहा है - (1) राशिकरण की धनराशि की कटौती 10 वर्ष के पश्चात बन्द करने व अधिक वसूली की गयी धनराशि को पेंशनर के खाते में वापस जमा करना। शासन के संज्ञान में है कि इस बिन्दु पर उच्च न्यायालय में अनेक याचिका दाखिल हो चुकी है और दिन प्रतिदिन नई याचिकायें भी दाखिल हो रही है। अनेक याचिकाओं में कटौती का भी आदेश हुआ है, जिसके क्रम में वित्त विभाग ने याचीगण की कटौती रोकी भी है। किन्तु सामान्य शासनादेश जारी कर इस प्रकरण का पटाक्षेप उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नहीं किया जा रहा है। परिणाम स्वरूप अनेक पेंशनर उच्च न्यायालय में जा रहे हैं। जिससे हजारो रूपये की व्ययभार बढ़ रहा है। मुकदमों की सख्या बढ़ रही है व बुजुर्ग पेंशनरों की आर्थिक एवं शारीरिक कठिनाई बढ़ रही है। जिसे शासन द्वारा सानी से बचाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि शासनादेश के अनुसार पेंशन के 100 रूपये के स्वीकृत होने पर पेंशनर को 98.32 रूपया मिलता है और इसके सापेक्ष 180.00 रूपया पेंशनर से काटा जाता है। इस प्रकार राशिकृत धनराशि की वसूली 08 वर्ष 3 माह में पूरी हो जाती है। तत्सम्बंधी शासनादेशो एवं नियमों में ब्याज वसूलने का कोई प्राविधान नही है। इस तरह यह सिद्ध है कि 10 वर्ष से अधिक कटौती करना पेंशनरों के साथ पूरी तरह अन्याय है। संगठन का अनुरोध है कि 10 वर्ष के पश्चात पेंशन के राशिकरण की कटौती बन्द की जाये तथा अधिक वसूली नयी धनराशि को पेंशनर के खाते में वापस जमा किया जाये। (2) पेंशनर की 65, 70, 75 एवं 80 वर्ष आयु पर क्रमशः 5, 10, 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी किया। यह उल्लेख करना है कि वर्तमान में, 80, 85, 90, 95, 100 वर्ष की आयु होने पर पेंशनरो की पेंशन में कमशः 20, 30, 40, 50, 100 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी का प्राविधान है। विशेष रूप में देखने की यह बात है कि पेंशनरों की अधिकतम संख्या 65 से 80 वर्ष के मध्य है और उनकी पेंशन में बढ़ोत्तरी का कोई प्राविधान नहीं किया गया है। प्रकरण के आकड़ों को खंगालने से भी स्पष्ट हुआ है कि 80 से अधिक आयु पर लाभान्वित होने वालों की संख्या अत्यन्त न्यून है 65, 70 एवं 75 वर्ष पर क्रमशः 5, 10, व 15 वर्ष पर पेंशन में बढ़ोत्तरी की मांग सर्वथा उचित है। उपरोक्त मांगो पर लम्बे समय से निर्णय न होने के कारण पेंशनर्स में अत्यधिक असंतोष एवं रोष है। आज की आमसभा में पेंशनरो ने इस बात को बड़ी गंभीरता से उठाया है कि माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री प्रस्तुत ज्ञापन पर विशेष रूप से विचार करें और उपरोक्त दोनो बिन्दुओं पर सकारात्मक निर्णय कराने का कष्ट करें। बुजुर्गो को माननीय उच्च न्यायालय में जाने के लिए बाध्य न किया जाये। उन्हे अनावश्यक रूप से पहले से ही अपने स्वास्थ्य आदि पर भारी धनराशि व्यय करनी पड़ रही है। अतएव उपरोक्त पर सकारात्मक निर्णय शीघ्र कराने का कष्ट करें। इस दौरान अवधेश सिंह, नागेश्वर तिवारी फौजदार सिंह लव कुश सिंह रमाशंकर राधेश्याम सिंह राम जी शर्मा लक्ष्मण प्रसाद सूरज प्रसाद सहित आज लोग मौजूद रहे।

आदिवासी सब प्लान का पैसा बंट रहा कॉर्पोरेट घरानों को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर, सोनभद्र। 22 नवंबर 2024, आदिवासियों के विकास के लिए बजट से दिया जाने वाला सब प्लान का पैसा देश के चुनिंदा कार्पोरेट घरानों को केंद्र सरकार द्वारा दिया जा रहा है। इस पैसे को नेशनल हाईवे, रोड ट्रांसपोर्ट, टेलीकम्युनिकेशंस, टेलीफोन टावर और लाइन लगाने, भारत नेट, न्यू एंड रिनवल एनर्जी, सोलर पावर, यूरिया, न्यू ट्रीटमेंट खाद, सेमीकंडक्टर निर्माण आदि कार्यों में सरकार खर्च में लगी है। इनका कोई सीधा संबंध आदिवासियों और दलितों के विकास से नहीं है। आज हालत इतनी बुरी है कि शिक्षा के अभाव के कारण सरकारी नौकरियों में एसटी के लिए आरक्षित सीटें खाली रह जा रही है। इसलिए उनके आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देना होगा और आरक्षण के साथ जमीन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति जैसे मदों पर धन के आवंटन को बढ़ाना होगा। यह बातें ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने रासपरी में आयोजित तहसील कमेटी की बैठक में कहीं। बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 अगस्त को अनुसूचित जाति-जनजाति के उप वर्गीकरण के फैसले पर 8 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी पर विचार विमर्श हुआ। बैठक में तय किया गया कि दुद्धी तहसील से भी प्रतिनिधि दिल्ली सम्मेलन में हिस्सेदारी करेंगे। बैठक की अध्यक्षता मजदूर किसान मंच के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड और संचालन एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका ने

किया। बैठक में इस बात पर गहरा शोभ व्यक्त किया गया की सरकार ने आदिवासियों के रोजगार के लिए बने मनरेगा के मद में राष्ट्रीय स्तर पर करीब 1100 करोड़ रुपए की कटौती कर दी है। इसी प्रकार जन आरोग्य योजना आयुष्मान कार्ड के मद को भी घटा दिया गया है। आदिवासी बच्चों के मेडिकल एजुकेशन के बजट में करीब 4500 करोड़ रुपए और स्वास्थ्य के कुल बजट में कटौती की गई है। आदिवासी छात्राओं के छात्रावास के लिए महज 10 लाख रुपए बजट में आवंटित किए गए हैं। आदिवासी बच्चों की रिसर्च फेलोशिप के बजट में 4 करोड़ रुपए की कटौती की गई है और आईआईटी में पढ़ने वाले आदिवासी बच्चों की सहायता के लिए में 20 करोड़ की कटौती की गई है। यहां तक कि जो पैसा मुफ्त अनाज के लिए आवंटित किया जाता है उसमें भी करीब 2600 करोड़ रुपए की कटौती की गई है। इस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आदिवासियों पर चौतरफा हमला बोला है। बैठक में कहा गया कि बिरसा मुंडा के नाम पर गांव-गांव आरएसएस और भाजपा द्वारा आयोजित किया जा रहे जनजातीय सम्मेलन महज नाटक है। सच्चाई यह है कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों की जमीन, उनके लिए बजट में आवंटित धन और उनके विकास को सूदखोरों, ठेकेदारों और कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने में लगी है। इसीलिए इनसे सचेत रहने की जरूरत है। बैठक में एआईपीएफ जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, मजदूर किसान मंच के तहसील संयोजक रामचंद्र पटेल, युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड, जिला अध्यक्ष रूबी गोंड, ठेका मजदूर यूनियन के जिला मंत्री तेजधारी गुप्ता, गुंजा गोंड, सुगवंती गोंड, राजकुमारी गोंड, मनोहर गोंड रामविचार गोंड, महावीर गोंड, बिरझन गोंड, तुलसी गोंड आदि ने अपनी बात रखी।

लेखपाल संघ सदर तहसील राबर्ट्सगंज सोनभद्र का चुनाव सकुशल सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को जनपद सोनभद्र के सदर तहसील में लेखपाल संघ राबर्ट्सगंज के चुनाव में सभी निर्विरोध चुने गए चुनाव अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, ओमप्रकाश, पर्यवेक्षक राजीव कुशवाहा जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह व जिला मंत्री अमित कुमार शुक्ल के संरक्षक में सम्पन्न कराया गया निर्वाचित सदस्य राम तहसील अध्यक्ष संजय सिंह मंत्री साजिद खान वारसी वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज कनिष्ठ उपाध्यक्ष विवेकानन्द तिवारी उप मंत्री सुधीर कुमार पटेल कोषाध्यक्ष संदीप श्री भगवान सिंह परीक्षक कन्हैयालाल पटेल इस मौके पर गोपेंद्र पांडेय मनीष कुमार सिंह लाल बाबू सरोज संदीप सिंह राजेंद्र प्रसाद विनोद कुमार पाल शिवाजी आदि लेखपाल मौजूद थे।

श्रद्धेय नेता की सपाइयों ने मनाई जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने बताया कि श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव का जन्मदिन जिला पार्टी कार्यालय हर वर्ष की समाज के गरीब तबके के लोगों की लड़ाई लड़ने का काम किया और उन्हें उनका हक दिलाने का काम किया । श्रद्धेय नेताजी एक ऐसे नेता थे जो पूरे देश में चर्चित थे और उन्होंने हमेशा हर वर्ग के गरीबों

भांति मनाया गया,जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव एवं सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि नेता महान नेता थे जो देश में आरक्षण को लागू कराने का काम किया और अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में हर वर्ग को जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से विकास करने का काम किया । किसानों नौजवानों व्यापारियों अल्पसंख्यक और हर की लड़ाई लड़ने का काम किया और आरक्षण को लागू करवाने का काम किया, जिसका आज जीता जागता उदाहरण है कि हर वर्ग के लोग जिला पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव लड़कर ग्रामीण इलाके का विकास करने का काम कर रहे हैं, जबकि उसके पहले केवल राजाओं का ही राजशाही था । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व जिला अध्यक्ष पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे ने कहा कि नेताजी गरीबों के मसीहा थे । वह हमेशा गरीबों की लड़ाई लड़ने का काम किया उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज अकेले हर गरीबों की लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं। यह भाजपा की तानाशाही सरकार गरीबों का शोषण कर रही है। संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव विजय यादव श्याम बिहारी यादव अनिल प्रधान राम भरोसे सिंह पटेल जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल विजय शंकर जायसवाल वेदमानी शुक्ला सुरेश यादव रामाशंकर यादव त्रिपुरारी गौड़ रमेश सिंह यादव पूर्व प्रत्याशी सुनील सिंह गौड़ सरदार पार ब्रह्म सिंह सनी पटेल कौशल रमेश कुमार वर्मा शिवनारायण चौहान डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल मंगल जायसवाल नामवर कुशवाहा विमलेश पटेल रामेश्वर भाई पटेल दीनानाथ अग्रवाल परमेश्वर यादव बाबूलाल यादव बबलू धागर ज्योतिष गौतम पवन पटेल सत्यम पांडे फारूक अली जिलानी कृपा शंकर चौहान परशुराम यादवराजेश विश्वकर्मा जितेंद्र बियार बाबू हाशमी लाल बहादुर पाल जगत पटेल गीता गौर रामजतन प्रजापति विष्णु कुशवाहा कुमारी मंदाकिनी पांडे कुमारी निधि पांडे मुकेश यादव प्रेम सिंह पटेल प्रदीप कनौजिया अजय कुमार निषाद संतोष बैसवार चंद्र भूषण यादव जयप्रकाश मौर्य संतोष पासवान के साथ सैकड़ो पदाधिकारी उपस्थित थे ।

उत्तर प्रदेश मिड डे मील वर्कर यूनियन ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परसों में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मिड डे मील वर्कर यूनियन के पदाधिकारी द्वारा अपनी मांगों को लेकर एक दिवसीय

विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी नामित ज्ञापन प्रतिनिधि को देकर बुलंद की आवाज वही जिला अध्यक्ष सुनीता विश्वकर्मा ने बताया कि हम रसोइया कर्मी बहुत अल्प मांनदेह और बेहद कठिन परिस्थितियों में अपने कार्य को वर्षों से कुशलता पूर्वक संपादित करती आ रही हैं। मिलने वाली मानदेय की राशि भी आज तक कभी भी नियमित रूप से नही मिली। वर्तमान समय में भी के माह का मानदेय बकाया है। न तो कोई स्वास्थ्य सुविधा है और न ही जीवन बीमा। नवीनीकरण के नाम पर मनमाने ढंग से निष्कासन आम बात हो गई है। धुंआ मुक्त प्रदेश में हम जुगाड की लकड़ी में खाना पकाने के लिए बाध्य हैं। गैस सिलेंडर नुमाइस की सामान भर हैं। खाना बनाने के साथ सफाई कर्मचारी से लेकर चपरासी तक के सारे काम करने पड़ते हैं। कोई आकस्मिक और बीमारी का कोई अवकास नहीं मिलता। अतः आपसे अनुरोध है कि हमारी निम्न मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर उन्हें पूरा करते हुए हम रसोईया कर्मियों को भी सामान्य जीवन जीने का हक प्रदान करने की कृपा की जायेगी। 1ञ् उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश के अनुरुप न्यूनतम वेतन और वर्ष 2005 से अब तक का एरियर भुगतान कराया जाय। 2. 45 वे भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिश के अनुरूप रसोईया कर्मियों के स्थाई करण न्यूनतम वेतन, ईएसआई व ईपीएफ की सुविधा, सेवा निवृत्ति पर ग्रेड्यूटी और पेंशन की सुविधा की गारंटी की जाय। 3ञ्अब तक सम्पूर्ण बकाया मानदेय तत्काल भुगतान किया जाय। 4ञ् जिले में विभिन्न वि?द्यालयों के सन्नविलयन (कंपोजिट) की दशा में रसोईया कर्मियों की अबाध सेवाओं की गारंटी की जाय3. पूरे 12 माह का मानदेय अनुमन्य किया जाय। 4. 4ञ् सभी विद्यालयों को एक सर्कुलर जारी किए जाने वाले दुर्व्यवहार पर रोक लगाई जाए। और उत्पीडन की घटनाओं और यौन दुर्व्यहार के विरुद्ध त्वरित न्याय के लिए जेंडर सेल गठित की जाय। 5ञ्वि?द्यालयों में खाना बनाने के कार्य के अलावा अन्य कार्यों में नियोजित कर कराई जाने बाकी बेगार पर रोक लगाने के लिए आदेशित किया जाय 6ञ् विद्यालयों के बन्द किए जाने की दशा में रसोईया कर्मियों को भी अन्य वि?द्यालयों में समायोजित किया जाय। 7ञ् विद्यालयों से अकारण इस सत्र में दुर्भावना वश सेवा से निकाली गई सभी रसोईया कर्मियों की मांग पूरी की जाए।इस दौरान शांति देवी संगीता गीत कमलावती पुष्पा विमला देवी संगीत रंगीला संजू विमली चंपा अनीता सहित कई लोग मौजूद रहे।

मंत्री ने किया भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के मंदिर का भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉक्टर अरुण कुमार सक्सेना राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बन जंतु उद्यान एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन

मंत्री तथा जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री रविंद्र जायसवाल जी के द्वारा संयुक्त रूप से श्री राम जानकी परिषर सरवट सोनभद्र में श्रीवास्तव सेवा ट्रस्ट द्वारा भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज के मंदिर का भूमि पूजन किया गया भूमि पूजन का कार्यक्रम ज्योतिषाचार्य पंडित हरीराम मिश्र के नेतृत्व में किया गया उक्त अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता एवं जिला संगठन प्रभारी अनिल सिंह तथा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा चित्रांश महासभा के कार्यकर्ता पदाधिकारी गण कई ग्राम प्रधान एवं गांव के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक मित्तल एवं कई जिलों के वन अधिकारी तथा वासुदेव सेवा ट्रस्ट की चीफ ट्रस्टी पूनम श्रीवास्तव मंदिर के प्रबंधक डॉक्टर सतीश कुमार श्रीवास्तव ग्राम प्रधान अरविंद एवं तमाम अधिकारी पुलिस अधिकारी उप जिलाधिकारी अन्य अधिकारी नागरिक उपस्थित थे तत्पश्चात वन मंत्री डॉ अरुण कुमार ने कहा की सनातन धर्म के मुताबिक भगवान चित्रगुप्त महाराज प्रत्येक व्यक्ति का कर्मकांड का लेखा-जोखा यमपुरी में रखते हैं उनके अनुसार व्यक्ति पाप और पुण्य के आधार पर मोक्ष को प्राप्त होता है इस सुदूर अंचलमें भगवान जी का मंदिर बनाना आम जनमानस के लिए फलदाई होगा मंदिर निर्माण के लिए मंदिर से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा ज्योतिषाचार्य पंडित हरीराम मित्र ने कहा की विगत 50 साल से अधिक समय से में श्री राम मंदिर का अध्यक्ष /संरक्षक हूं परंतु आज से यह मंदिर श्री वासुदेव सेवा ट्रस्ट को समर्पित मेरे द्वारा किया गया इसका देखरेख श्री वासुदेव सेवा ट्रस्ट या उनके लोग देखेंगे, प्रभारी मंत्री रविंद्र कुमार जायसवाल ने मंदिर के परिषद में प्रभु श्री राम मंदिर एवं श्री चित्रगुप्त महाराज मंदिर को पूर्ण होने के बाद प्राण प्रतिष्ठा यथाशीघ्र जिसमें पुनःसम्मिलित होने का मौका मिले उक्त अवसर पर डीएफओ दिलीप श्रीवास्तव तथा रतन कुमार श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव प्रदीप कुमार श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश दुबे ओम प्रकाश शर्मा दयाशंकर पांडे सहित सैकड़ो लोग उपस्थित लोग उपस्थित थे।

दबंगो ने पीड़ितों पर शुल्ह करने को बना रहे दबाव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी खैरटिया गांव निवासी पीड़ित अभिषेक कुमार पुत्र इंद्रजीत के ऊपर वह परिजनों पर जानलेवा हमला किया गया बीती 18 नवंबर की रात्रि जिस पर 19 नवंबर को ओबरा थाने में पीड़ित लोग द्वारा जबरी बाइक रोककर मारा पीटा गया जिस पर वह अपनी आपबीती जाकर परिजनों को बताया तो परिजनों द्वारा मौके पर जाकर मामले में सच्चाई जाने का प्रयास किया गया तो फिर दबंगो द्वारा परिजनों को मारा पीटा गया जिस पर पीड़ित परिवार गुरुवार सुबह

द्वारा एप्लीकेशन दिया गया तो पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी वहीं पीड़ित अभिषेक कुमार ने बताया कि यह सूचना विपक्षी को पता चलते ही संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिलकर हम लोगों पर अनावश्यक तुलना करने को दबाव बनाया जा रहा है जिस पर शुक्रवार को पुणे पीड़ित परिवार एसपी दरबार पहुंचकर एडिशनल एसपी मुख्यालय से मुलाकात करते हुए मामले से अवगत कराया और मामले में उच्च स्तरीय जांच व कार्रवाई करने की लगाई गुहार।पीड़ित अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रार्थी के घर शादी समारोह का फंक्शन चल रहा था इस बीच रात्रि में छोटे भाई द्वारा बहन को छोड़ने घर बाइक बाइक से गया हुआ था आते वक्त खैरटिया स्थित दी बाबा के पास गांव के कुछ ओबरा थाने में जाकर मामले से अवगत कराया थाना प्रभारी द्वारा मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में पुलिस प्रशासन जुटी उधर इसकी सूचना दबंग परिजनों को हुई तो उनके द्वारा आल्हा अधिकारियों और नेताओं के दबाव के साथ पीड़ित परिवार को सुल्ह समझौता के लिए दबाव बनाने का प्रयास किया जाने लगा जिस पर शुक्रवार को संबंधित मामले को लेकर पीड़ित परिवार एडिशनल एसपी को पत्र देकर मामले में उसे स्त्री जाट व दबंग के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की गुहार लगाई वहीं पीड़ित अभिषेक कुमार ने बताया कि दबंग की पत्नी प्रधान है जिसके चलते उनके परिजनों द्वारा कई बार ऐसी घटनाएं आम जनमानस के साथ कर चुके हैं और पुनःह वृद्धि न हो जिसको लेकर संबंधितों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जा सके।

जिले में एक ऐसा बैंक जहां रुपए की नहीं श्री सीताराम नाम की है करेंसी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबट्र्सगंज नगर स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में शुक्रवार को श्री सीताराम नाम की पुस्तक वितरण को लेकर गोष्ठी सकते है। यह प्रभु का नाम लेने व एक सरल माध्यम व साधन है। यह हमारी भारतीय संस्कृति को जोड़ने का काम कर रही है। इसमें बढ़-चढ़ के लोगों को भाग लेना

का आयोजन किया गया। गोष्ठी में जुटे लोगों को श्री सीताराम पुस्तक वितरीत किया गया। गोष्ठी में श्री सीताराम नाम बैंक के शाखा प्रबंधक रमाकांत शुक्ल ने कहा कि प्रभु श्री सीताराम नाम बैंक के माध्यम से लेखन पुस्तिका को वितरीत करते हुए लोगों को श्रीसीता राम लिखने के लिए प्रेरित किया जगया। श्री शुक्ला ने बताया कि विश्व का कोई भी नर-नारी और सभी वर्ण के लोग अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम नाम बैंक में श्रीसीताराम लिख कर जमा कर चाहिए। सीताराम लेखन भारतीय संस्कृति के साथ हमारे हिंदू धर्म को जगाने का कार्य कर रहा हैं। मौके पर रामनाथ सिंह श्री कान्त मिश्रा कैलाश नाथ देव पांडे अरुण देव पांडे बैजनाथ देव पांडे विजय नारायण सिंह भरत सेठ राजेन्द्र प्रताप सिंह ज्ञान चन्द्र देव सुरेन्द्र सिंह प्रेम चन्द्र ओम् प्रकाश देव आत्मा राम देव कृष्ण सेवक शुक्ला मोहन चौरसिया सुधाकर सिंह राजाराम जायसवाल नन्द लाल मोदनवाल आदि मौजूद रहे।

बालू का ठेका दिलाने के नाम पर किया करोड़ों का घोटाला, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र । ओबरा स्थित गैस गोदाम

रोड पर एक व्यक्ति द्वारा करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है । सूत्रों के अनुसार थाना लंका पुलिस टीम ने कोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर करोड़ों का घोटाला करने वाले आरोपी संजय कुमार विश्वास को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ थाना लंका और थाना ओबरा (सोनभद्र) में करोड़ों रुपये की ठगी के मामले पंजीकृत हैं। गिरफ्तार अभियुक्त संजय कुमार विश्वास, पुत्र स्व. सुशील कुमार, निवासी म0नं0 11/31 गैस गोदाम रोड सुमन नगर, ओबरा, जिला सोनभद्र, उम्र करीब 48 वर्ष हैं। पुलिस ने उसे रविवार को नगवा मस्जिद के पास से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ आरोप है कि उसने कई लोगों से बालू का ठेका दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी की। इसके खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मामले विचाराधीन हैं। उसके खिलाफ लंका और सोनभद्र में मुकदमा दर्ज है।

स्पोर्ट्स

2021 के गाबा टेस्ट के बाद पहली बार अश्विन या जडेजा के बिना उतरा भारत, प्लेइंग-11 में शामिल नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछली बार जडेजा और अश्विन दोनों भारत के टेस्ट लाइनअप से जनवरी 2021 में प्रतिष्ठित गाबा टेस्ट में अनुपस्थित रहे थे। तब जडेजा अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण मैच नहीं खेल पाए थे, जबकि अश्विन पीठ की समस्या के कारण मैच से बाहर हो गए थे।रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की अनुभवी स्पिन जोड़ी को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस के दौरान इस फैसले की पुष्टि की कि इन दोनों की अनुपस्थिति से वॉशिंगटन सुंदर के एकमात्र स्पिनर के रूप में खेल रहे हैं। बुमराह ने टॉस जीतने के बाद अपने चयन की पुष्टि करते हुए कहा, 'वाशी एकमात्र स्पिनर हैं।' रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर रहे बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है।पिछली बार जडेजा और अश्विन दोनों भारत के टेस्ट लाइनअप से जनवरी 2021 में प्रतिष्ठित गाबा टेस्ट में अनुपस्थित रहे थे। तब जडेजा अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण मैच नहीं खेल पाए थे, जबकि अश्विन पीठ की समस्या के कारण मैच से बाहर हो गए थे। गाबा 2021 टेस्ट में ही वॉशिंगटन सुंदर ने इस प्रारूप में डेब्यू किया था और भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी।सुंदर ने चार विकेट लिए महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया था। साथ ही शार्दुल ठाकुर के साथ अहम साझेदारी भी की थी। इन दोनों की बदौलत ही भारत ने ब्रिस्बेन में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और गाबा में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा था। अपने डेब्यू के बाद सुंदर ने केवल कुछ ही टेस्ट खेले हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के अनुकूल उनकी क्षमता एक महत्वपूर्ण कारक है। ऑस्ट्रेलिया में 42 की बल्लेबाजी औसत और नियंत्रण और निरंतरता दिखाने वाले गेंदबाजी के कारण सुंदर ने अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं।अश्विन और जडेजा की अनुपस्थिति को कई ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों ने आश्चर्यजनक बताया। अश्विन, 3,474 टेस्ट रन और 470 से अधिक विकेट और जडेजा, 3,235 रन और 275 विकेट के साथ पिछले कई वर्षों से भारत के लिए प्राथमिकता रहे हैं। दोनों खिलाड़ी बल्लेबाजी लाइनअप को महत्वपूर्ण गहराई भी प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें बाहर करना मुश्किल हो जाता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल हसी ने इस फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, 'अश्विन और जडेजा बल्ले से भी मदद कर सकते हैं। उनका अनुभव मूल्यवान होता।'सुंदर का चयन ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के कई बल्लेबाजों के खिलाफ भारत की रणनीति को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष सात में उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड समेत पांच बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। इसके अलावा सुंदर का हालिया घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फॉर्म भी संतोषजनक रहा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 7/59 और 4/56 के आंकड़े दर्ज किए थे। उन्होंने लगातार विकेट लेने और नियंत्रण बनाए रखने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। भारतः केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, देवदत्त पडिक्कल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), मोहम्मद सिराज।

पर्थ टेस्ट से पहले भारत के लिए आई बड़ी खुशखबरी, इस दिन टीम से जुड़ेंगे रोहित शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस मैच से ठीक पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। वह 24 नवंबर (रविवार) को भारतीय टीम से जुड़ेंगे, यानी इस मुकाबले के तीसरे दिन वह पर्थ में दिखेंगे। इसकी जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई ने गुरुवार को दी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच से ठीक पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। वह 24 नवंबर (रविवार) को भारतीय टीम से जुड़ेंगे, यानी इस मुकाबले के तीसरे दिन वह पर्थ में दिखेंगे। इसकी जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई ने गुरुवार को दी। बता दें कि, हिटमैन अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के साथ नहीं गए थे। 15 नवंबर को उनकी पत्नी रितिका ने दूसरे बच्चे को जन्म को दिया था।पहले टेस्ट में खेलेंगे रोहित पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में शुक्रवार से खेला जाएगा। इस मैच में रोहित शर्मा नहीं खेलेंगे। चूंकि वह इस मुकाबले के तीसरे दिन टीम से जुड़ेंगे, ऐसे में दिग्गज दूसरे टेस्ट में खेलते दिखेंगे। यह मुकाबला छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। पीटीआई को बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ठरोहित पहले टेस्ट के तीसरे दनि पर्थ पहुंचेंगे।ठरोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज गेंदबाज ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि कोच और टीम प्रबंधन ने पहले ही टीम का नेतृत्व करने के लेकर उन्हें अवगत करा दिया था। इसके अलावा उन्होंने बताया कि उनकी रोहित से इस विषय में पहले बात हो चुकी है। कड़वी यादों को भुलाना चाहेगी भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें हर हाल में चारों मुकाबले जीतने होंगे और एक टेस्ट ड्रॉ कराना होगा। मालूम हो कि, हाल ही में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू जमीन पर 0-3 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में भारत पुरानी यादों को पीछे छोड़कर नई शुरुआत करना चाहेगी। बुमराह से जब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से सीख लेनी होगी, लेकिन हम इस भार को लिए नहीं रह सकते हैं। यहां परिस्थिति अलग है और आपको अलग नतीजे की उम्मीद होगी।

मेगा नीलामी में नहीं दिखेंगे स्टोक्स-ग्रीन जैसे सितारे, इन पांच विदेशी खिलाड़ियों की खलेगी कमी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हम आपको यहां पांच ऐसे विदेशी खिलाड़ियों के विषय में बता रहे हैं जिनपर नीलामी में बोली नहीं लगेगी। आइये जानते हैं आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 24 और 25 नवंबर को जेद्दाह में इसका आयोजन होना है, जिसमें 574 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। 204 स्थानों के लिए सभी 10 फ्रेंचाइजी पानी की तरह पसीना बहाएंगी। इनमें 70 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध होंगे। बहरहाल, हम आपको यहां पांच ऐसे विदेशी खिलाड़ियों के विषय में बता रहे हैं जिनपर नीलामी में बोली नहीं लगेगी। आइये जानते हैं ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर इस बार मेगा नीलामी में बोली नहीं लगेगी। दरअसल, वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का हिस्सा थे लेकिन इस बार उन्हें रिटेन नहीं किया गया। फिलहाल वह पीठ की चोट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रीन कम से कम छह महीने तक मैदान से दूर रहेंगे। उन्हें चोट से उबरने में वक्त लगेगा।इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का आईपीएल 2025 का हिस्सा नहीं होंगे। उन्हें आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते देखा गया था। इस दौरान उन्होंने सिर्फ दो मैच खेले और 15 रन बनाए। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान स्टोक्स 2022 के बाद से टी20 टीम का हिस्सा भी नहीं रहे हैं। अपनी घातक गेंदबाजी के लिए मशहूर जोफ्रा आर्चर आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। वह पिछले तीन वर्षों से चोटों से जूझ रहे हैं। आखिरी बार उन्हें आईपीएल 2023 में खेलते देखा गया था। इस दौरान उन्होंने पांच मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए थे।

गावस्कर ने किया केएल राहुल का समर्थन, कहा- उन्हें ऑस्ट्रेलिया में रन बनाने में समस्या नहीं होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश पर हैं। इस स्थिति में यशस्वी जायसवाल के सलामी जोड़ीदार के रूप में रिजर्व सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन और अनुभवी राहुल में से किसी एक को उतारने का विकल्प है। फिलहाल टीम प्रबंधन राहुल के पक्ष में दिख रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। शुक्रवार को भारतीय समयानुसार सुबह 7:50 बजे पहला टेस्ट पर्थ में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में खेलती दिखेगी। मुकाबले से पहले सुनील गावस्कर ने केएल राहुल पर चर्चा की। उन्होंने भरोसा जताया कि वह ऑस्ट्रेलिया की विकेटों पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।दरअसल, भारतीय कप्तान

रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश पर हैं। इस स्थिति में यशस्वी जायसवाल के सलामी जोड़ीदार के रूप में रिजर्व सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन और अनुभवी राहुल में से किसी एक को उतारने का विकल्प है। फिलहाल टीम प्रबंधन राहुल के पक्ष में दिख रहा है जो भारत के लिए पहले भी टेस्ट मैच में पारी का आगाज कर चुके हैं और पिछले साल सेंचुरियन में उन्होंने यादगार शतक जड़ा था। हालांकि 53 टेस्ट खेलने के बावजूद उनके प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी है।गावस्कर ने सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, केएल राहुल ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में बल्लेबाजी करते हुए सबसे बेहतरीन शतकों में से एक बनाया था जिसे मैंने देखा है इसलिए यहां भी ऐसा करना उनके लिए कोई समस्या नहीं होगी।

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर विवाद के बीच बीसीसीआई उठा सकता है यह कदम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को सुमैर अहमद सैयद को चैंपियंस ट्रॉफी का मुख्य संचालन अधिकारी नियुक्त किया। हालांकि, अगले साल के शुरू में टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अधिकारियों से मुलाकात कर सकते हैं। साथ ही वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी से बात कर सकते हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वे टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेंगे, जबकि पीसीबी इस बात पर अड़ा हुआ है कि वे 'हाइब्रिड' ढांचे में नहीं जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, जय शाह दुबई में आईसीसी अधिकारियों से मिलेंगे और इसके बाद नकवी से फोन पर बात करेंगे जहां वे किसी संभावित निष्कर्ष पर पहुंचने का प्रयास करेंगे।इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को सुमैर अहमद सैयद को चैंपियंस ट्रॉफी का मुख्य संचालन अधिकारी नियुक्त किया। हालांकि, अगले साल के शुरू में टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बोर्ड के इस रुख को दोहराया कि वह टूर्नामेंट की मेजबानी पूरी तरह पाकिस्तान में करना चाहता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया था कि वह भारतीय टीम को 50 ओवर की प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान नहीं भेजना चाहता है।इस बीच नकवी ने सैयद की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए उन्हें एक संगठित पेशेवर बताया। नकवी ने कहा, 'सुमैर प्रशासनिक विशेषज्ञता के धन के साथ एक असाधारण रूप से संगठित पेशेवर हैं। क्रिकेट के लिए उनके अटूट जुनून है। मुझे विश्वास है कि वह खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों के लिए एक अविस्मरणीय आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 प्रदान करेंगे।' सैयद ने कहा, 'आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 विश्व स्तरीय क्रिकेट आयोजनों की मेजबानी करने की पाकिस्तान की क्षमता को प्रदर्शित करने, दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का स्वागत करने का वादा करता है ताकि खेल के लिए देश के जुनून और प्रसिद्ध आतिथ्य का अनुभव किया जा सके। तैयारियां पहले से ही अच्छी तरह से चल रही हैं। स्टेडियम के नवीनीकरण का काम पूरा होने वाला है और आईसीसी के साथ महत्वपूर्ण चर्चा चल रही है।

पिता के नक्शे कदम पर चल रहे वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर, छोटी उम्र में ठोका दोहरा शतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।दिल्ली के लिए खेलते हुए इस युवा बल्लेबाज ने दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने 229 गेंदों पर 200 रन की पारी खेली। इस दौरान आर्यवीर ने 34 चौके और दो छक्के लगाए भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की तरह उनके बेटे आर्यवीर भी अब अपने पिता की राह पर निकल पड़े हैं। वह वीरू की तरह तेजी से रन बनाना पसंद करते हैं। इसका मुजायरा उन्होंने गुरुवार को मेघालय के खिलाफ मैच में पेश किया। दिल्ली के लिए खेलते हुए इस युवा बल्लेबाज ने दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने 229 गेंदों पर 200 रन की पारी खेली। इस दौरान आर्यवीर ने 34 चौके और दो छक्के लगाए।कूच बिहार ट्रॉफी के मुकाबले में मेघालय के खिलाफ आर्यवीर का बल्ला जमकर गरजा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय ने पहली पारी में मेघालय की टीम 260 रन पर ऑलआउट हो गई। दिल्ली के लिए उधव मोहन ने सर्वाधिक चार विकेट चटकाए। जवाब में 16 वर्षीय आर्यवीर की बदौलत दिल्ली ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 468 रन बनाए और 208 रन की बढ़त हासिल की। उनके अलावा टीम के अन्य सलामी बल्लेबाज अर्नव एस बग्गा ने भी शतक जड़ा। पहले विकेट के लिए दोनों बल्लेबाजों के बीच 180 रनों की साझेदारी हुई। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक आर्यवीर 200ङ और धान्या नाकरा 98ङ रन बनाकर नाबाद रहे।आर्यवीर सहवाग ने अक्तूबर में वीनू मांकड़ ट्रॉफी में डेब्यू किया था। इस दौरान उन्होंने मणिपुर के खिलाफ 49 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को छह विकेट से जीत दिलाने का कारनामा किया था।सहवाग ने की थी बेटे की तारीफ सहवाग ने पिछले साल खुलासा किया था कि उनके बेटे आर्यवीर पहले से ही आईपीएल अनुबंध हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर दिग्गज क्रिकेटर ने कहा था कि, ठमेरा बेटा 15 साल का है और आईपीएल में खेलने का मौका पाने के लिए पहले से ही कड़ी मेहनत कर रहा है।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

पूर्व गेंदबाज झूलन गोस्वामी को मिलेगा बड़ा सम्मान, ईडन गार्डन में बनेगा उनके नाम का स्टैंड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गोस्वामी ने 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 वनडे मैच में 255 विकेट लिए और 68 टी20 मैच में 56 विकेट झटके हैं। उनके 355 विकेट हैं जिससे उनके नाम महिला खिलाड़ियों के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के प्रस्ताव के बाद ईडन गार्डन के बी ब्लॉक में पूर्व भारतीय महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम पर एक स्टैंड बनाया जाएगा। गोस्वामी के सम्मान में बी ब्लॉक का नाम बदलने का प्रस्ताव कैब की शीर्ष संस्था के समक्ष रखा गया और अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले साल 22 जनवरी को भारत और इंग्लैंड टी20 मैच के दौरान इसका अनावरण किया जाएगा। गोस्वामी ने 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 वनडे मैच में 255 विकेट लिए और 68 टी20 मैच में 56 विकेट झटके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दौरान कोहली के पास सचिन से आगे निकलने का मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस दौरे पर विराट कोहली के पास दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने का मौका भी रहेगा। वहीं, यशस्वी जायसवाल और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी कई उपलब्धियां अपने नाम दर्ज कर सकते हैं भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है। भारत ने 2018-19 में विराट कोहली के नेतृत्व में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद 2020-21 में भी भारत ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराने में सफल रहा था। भारतीय टीम की नजरें अब ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज की जीतने की हैट्रिक लगाने पर होंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत पिछले दौरे पर कोहली की कप्तानी में आया था। हालांकि, वह एडिलेड में खेले गए शुरुआती टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए थे। पहले टेस्ट में टीम इंडिया 36 रन पर ऑलआउट हो गई थी, लेकिन फिर अगले मैच से अजिंक्य रहाणे ने कमान संभाली और मेलबर्न तथा ब्रिसबेन में जीत दर्ज कर सीरीज 2-1 से अपने नाम करने में सफल रही थी।

सम्पादकीय

बाजार की दशा एवं दिशा समझें, एक राजस्व स्त्रोत पर ना रहें निर्भर

कहावतें समय, काल और परिस्थितियों की हर कसौटी पर अपनी सार्थकता सिद्ध करती आई हैं। एक पुरानी कहावत है कि अपने सभी फल एक ही टोकरी में न रखें। यह कहावत जीवन की अंतर्निहित सीख के साथ ही वित्तीय अनुशासन एवं नियोजन के मोर्चे पर भी उतनी ही सटीक बैठती है। एक सदाबहार वित्तीय सलाह यह दी जाती है कि कभी भी केवल एक राजस्व स्रोत पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए। कोई व्यक्ति भले ही किसी पेशे में हो, उसके लिए आय के विभिन्न स्रोत विकसित करना सदैव लाभदायक होता है। उदारवाद से पूर्व के भारतीय मध्यवर्ग की बात करें तो उसकी बचत मुख्य रूप से बैंक डिपाजिट, बीमा, रियल एस्टेट और सोने में निवेश से होती रही। ब्याज और किराये से होने वाली कमाई ने एक सामान्य परिवार के राजस्व की धारा को विविधता प्रदान की। समय के साथ निवेश के अपेक्षाकृत जटिल, किंतु परिष्कृत माध्यमों का भी उभार हुआ। सीधे इक्विटी या म्यूचुअल फंडों के माध्यम से पूंजी बाजार में दांव लगा रहे लोगों ने उल्लेखनीय लाभ का मंत्र तलाशा। यदि शेयर निवेशकों की पहली पीढ़ी के लिए शेयरों पर डिविडेंड वस्तुतः कर मुक्त आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना तो अनुवर्ती पीढ़ियों को मूल पूंजी में अत्यधिक वृद्धि के पहलू ने लुभाया। शेयर बाजार में निवेश ने अन्य निवेश माध्यमों में बढ़ोतरी को पीछे छोड़ दिया। उदारवाद के उपरांत भारत निवेश सलाहकारों के एक नए वर्ग के उभार का साक्षी बना। ये सलाहकार अपने ग्राहकों को असंख्य निवेश विकल्पों के चयन में सहायक बनने लगे। कोरोना महामारी के बाद पूंजी बाजार निवेशकों की संख्या में व्यापक प्रसार हुआ है। इक्विटी निवेश भले ही एक पुरानी अवधारणा हो, लेकिन बीते पांच वर्षों के दौरान इसमें अभूतपूर्व तेजी दिखी है। निवेशकों की संख्या से लेकर निवेश की मात्रा कई गुना बढ़ी है। इस तेजी का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि बीते चार वर्षों के दौरान डीमैट खातों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर 17 करोड़ हो गई है। इक्विटी फंडों में एसआइपी (सिस्टेमिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश भी रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। सितंबर के अंत तक भारतीय शेयर बाजार अकल्पनीय तेजी पर सवार रहा और ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा, किंतु पिछले दो महीने से बाजार में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। चूंकि निवेशकों की एक बड़ी संख्या ने महामारी के बाद पहली बार बाजार में कदम रखा तो व्यापक संपत्ति अवमूल्यन का यह उनका पहला अनुभव है, जहां उनके निवेश में इतना ह्रास हुआ हो। ऐसे में, कुछ घबराहट और यहां तक कि कोहराम की स्थिति स्वाभाविक ही है। स्थायी एवं स्थिर निवेश परिदृश्य के लिए इस प्रकार का माहौल प्रतिकूल होता है। इस कोलाहल को शांत करने के लिए कुछ आधारभूत पहलुओं पर दृष्टि डालना उपयोगी हो सकता है। विगत वर्षों में ऐसा क्या कारण रहा, जिसके चलते पूंजी बाजार में इतना भारी निवेश हुआ? पूंजीगत लाभ के बहुत ही स्वाभाविक कारण से इतर एक महत्वपूर्ण, किंतु कम चर्चित कारण भारत में कराधान नीति से जुड़ा है। फिकस्ड इनकम (नियत आय) से जुड़ी सभी योजनाओं पर वर्तमान में करों की सर्वाधिक दरें लागू होती हैं। चाहे बैंक डिपाजिट हो, डेब्ट म्यूचुअल फंड या मार्केट लिंक्ड डीबेंचर, सभी पर टैक्स आपकी आय के अनुसार लगाया जाता है, जो अधिकतम 40 प्रतिशत से अधिक तक हो सकता है। कुछ समय पहले एक भिन्न कराधान नीति अस्तित्व में थी, जहां इनमें से कुछ पर इंडेक्सेशन के साथ लांग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगाया जाता था। उससे टैक्स का बोझ कुछ घट जाता था। वर्तमान कर प्रणाली में फिक्स्ड इनकम निवेशों पर टैक्स देने के बाद आय काफी कम हो गई है, जो महंगाई की दर के अनुरूप भी नहीं रह जाती है। आवश्यक नहीं कि इसे टैक्स नीति की आलोचना के रूप में ही लिया जाए। इस संदर्भ में यह तर्क दिया जाता है कि एक प्रकृति के सभी निवेशों पर समान टैक्स नीति होनी चाहिए। निवेशक अपना निर्णय संबंधित योजना की गुणवत्ता के आधार पर लें, न कि उससे मिलने वाले अनुचित एवं भिन्नतापूर्ण टैक्स लाभ को ध्यान में रखकर। हालांकि इसकी स्वाभाविक प्रतिगामी परिणति यही हुई कि निवेशक अपर्याप्त जानकारियों के बावजूद इक्विटी की ओर जाने पर विवश हैं। निवेशकों को समझना होगा कि निवेश परिसंपत्तियों में प्रायः चक्रीय रुझान देखने को मिलता है। इसमें शिखर से लेकर तलहटी की स्थिति अपरिहार्य है। बाजार को प्रभावित करने वाले बेशुमार कारक हैं और वास्तव में उन पर किसी का पूर्ण नियंत्रण नहीं हो सकता।

रानी लक्ष्मीबाई की परछाई थी स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना और साहसी झलकारी बाई

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की गवाह अनगिनत बहादुर हस्तियां रहीं लेकिन इतिहास की विडम्बना है कि चंद नामों को ही इतिहास अपनी पुस्तक में दर्ज होने का मौका देता है। अनगिनत नाम आज भी में एक निर्धन कोली परिवार में हुआ था। उनके पिता सदोवर सिंह और मां जमुना देवी थी। बचपन में ही माता का देहांत हो जाने पर पिता सदोवर सिंह ने उनका लालन-पालन एक लड़के की तरह किया। झलकारी बचपन से ही निड़र और बहादुर थी। घुड़सवारी, तलवारबाजी और हथियार चलाने का शौक उन्हें एक कुशल योद्धा में परिवर्तित करने का काम कर रहा था। तत्कालीन परिवेश में एक अति सामान्य परिवार में जन्मी कन्या को औपचारिक शिक्षा बहादुरी के कारण उसका विवाह रानी लक्ष्मीबाई की सेना के बहादुर सैनिक पूरन सिंह कोली से करवा दिया। इतिहास की कहानियों और किस्सों में झलकारी का चित्र महारानी लक्ष्मीबाई के जैसा ही है। उन्हें इतिहास रानी की हमशक्ल बतलाता है। यकीनन इतिहास की घटनाएं उनमें दर्ज शौर्य-गाथाएं झलकारी बाई को महारानी लक्ष्मीबाई की परछाई दर्शाती हैं। जिसने न केवल अंग्रेजों अपितु भारतीयों को भी अचंभित किया रानी और उसकी महिला सेना महल के भीतर से ही मोर्चा संभाले हुए थे। ब्रिटिश सेना के सभी प्रहारों को नाकाम करती महारानी की सेना सम्भवतः ब्रिटिश सेना को वापस खदेड़ने में कामयाब भी हो जाती यदि, तभी रानी के एक सहयोगी राव दूल्हाजू की गददारी के कारण महल के द्वार ब्रिटिश सेना के लिए न खोले जाते तो शायद इतिहास बदल भी सकता था। हालांकि किले के द्वार खुलने की खबर झलकारी के इरादों पर भारी न कर सकी, लिखा गया लेकिन फिर भी कम लिखा गया । वृंदावन लाल वर्मा अपने उपन्यास में झलकारी बाई के बारे में बताते हैं- झलकारी जब ह्यूरोज के सामने पहुंची, उसकी शान-ओ-शौकत और चेहरे का तेज़ देख कर जब तक वह भी उसे पहचान न सका, जब तक छावनी में मौजूद राव दूल्हाजू(रानी के पकड़े जाने की खबर पाकर) ने उसे छावनी की आड़ से बारीकी से पहचान करके न बताया । दूल्हाजू ने ह्यूरोज से कहा- 'यह रानी नहीं है । झलकारी बाई समाज के वंचित तबके की क्रांतिकारी महिला थी। तत्कालीन समाज में सामान्य लोगों के इतिहास लेखन की परंपरा नाम मात्र की होने के कारण, उनके जीवन की अनेक स्मृतिओं को कहीं दर्ज न किया जा सका । महारानी लक्ष्मीबाई विदुषी, दूरदर्शी और बेहद सहज विचारों की शासिका थी। तत्कालीन समाज की जटिलताओं और कुरीतियों से परे, समानता से लबरेज स्वतंत्रता की हिमायती रानी लक्ष्मीबाई ऊंच-नीच, भेद-भाव की

गुमनामी की किताब में मुस्कुरा रहे हैं। कुछ अमिट छाप छोड़ने वाले नाम किस्सों, कहानियों, लोकगीतों में इस तरह समा गए कि उनका अमर होना लाजिमी है। कुछ नाम यूं ही इतिहास से वर्तमान तक पहुंचने की फेहरिस्त की कतार में लगे हैं। कुछ नाम ही बहादुरी के पर्याय बन गए। झलकारी बाई एक ऐसा ही नाम है जिसे इतिहास उसी सम्मान से निहारता है जैसे किसी क्रान्तिकारी वीर रानी को। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की कलम की जुबानी- सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को भारतीय नारी के बल, बुद्धि, साहस से परिचित कराने वाली एक साधारण सी महिला झलकारी बाई का जन्म 22 नवम्बर सन् 1830 को झांसी के पास ही भोजला गांव दिला पाना सरल न था। फिर भी एक कुशल योद्धा के रूप में झलकारी बाई का निर्माण हुआ। जंगल में लकड़ियां काटना, खेतों-खलिहानों में खुद को रोपना, पशुओं की देखभाल करना, झलकारीबाई के रोजमर्रा के काम थे। कहते हैं एक दिन जंगल में झलकारी का सामना एक तेंदुए से हो गया, झलकारी ने उसे सामान्य कुल्हाड़ी से मार डाला। गांव में खबर फैली और झलकारी बाई की बहादुरी के चर्चे होने लगे। फिर एक बार डकैतों के एक गिरोह के द्वारा गांव के एक व्यापारी पर हमला बोल दिया गया, झलकारी ने बहादुरी से उन डकैतों न केवल सामना किया बल्कि उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उसकी बहादुरी देख गांव में उसकी खूब प्रसन्नता हुई और गांव वालों ने उसकी हुआ था। कहते हैं झलकारी बाई गौरी पूजा के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई को सम्मान देने झांसी के किले में गयीं थी वहां दोनों की मुलाकात हुई रानी यह देखकर कि वह उनके जैसे ही दिखती है आश्चर्य चकित रह गयी। झलकारी के विषय में उनकी बहादुरी के किस्सों से प्रभावित होकर रानी ने उन्हें दुर्गा सेना में भर्ती कर लिया। झलकारी की प्रतिभा को रानी ने बखूबी तराशा। उन्हें तोप चलाना, तलवारबाजी, बंदूक चलाना आदि में महारथ हासिल करवायी। जल्द ही झलकारी महिला फौज की बहादुर कमाण्डर बन गयी। डलहौजी की हड़प नीति के तहत जब झांसी पर संकट के बादल मडराये झलकारी अग्रिम मोर्चे की योद्धा बनी। अप्रैल 1857 के युद्ध में उनकी रणनीति का परिणाम था कि रानी अपने कुछ विश्वासपात्र सैनिकों के साथ किले से निकलने में कामयाब हो गयी। कहते हैं झलकारी के पति पूरन की किले की रक्षा करते हुए शहादत हुई। झलकारी की वीरता का आंकलन करना आज भी संभव नहीं। पति की मृत्यु का शोक झलकारी बाई की पांव की बेड़ियां नहीं प्रेरणा की ढाल बना। झलकारी शेरनी की तरह रानी लक्ष्मीबाई की वेशभूषा में झांसी की सेना की कमान हाथों में लेकर ब्रिटिश सेना को गुमराह करने के लिए स्वयं ह्यूरोज के कैम्प में पहुंच ललकारने लगी। कमाल का जज्बा रहा होगा, साहस और वीरता शब्द भी बौना लगता है, वीरांगना झलकारी बाई के इरादों के आगे। उनकी वीरता के साहस को बहुत जनरल साहब । झलकारी कोरिन है। रानी इस प्रकार सामने नहीं आ सकती। दूल्हाजू की गद्दारी से झलकारी के चेहरे पर डर का भाव नहीं बल्कि वह निर्भय होकर दहाड़ी- 'मार दै, मैं का मरबे खो डरात हो? जैसे इत्ते सिपाही मरे तैसे एक मैं सई।'आज भी यह यकीन करना मुश्किल है कि एक साधारण सी महिला दुनिया की सबसे ताकतवर सेना के सर्वश्रेष्ठ सैनिक से जा भिड़ी। यकीनन झलकारी बाई के बुलंद हौसले और बहादुरी के अंगिनत किस्से अभी भी हम तक अपनी पहुंच न बना पाए हैं लेकिन उनके चंद किस्सों को हमने कहानियों, कविताओं और उपन्यासों में सहेजने की जो कोशिश की है । उसे पढ़ कर आने वाली पीढ़ी को सकारात्मक ऊर्जा का भंडार मिलेगा विरोधी थी । उनके क्रांतिकारी विचारों की झलक उनकी दुर्गा सेना में देखी जा सकती हैं । समाज के वंचित तबके का प्रतिनिधित्व करने वाली जाबाज़ क्रांतिकारी झलकारी बाई ने अपने परिवार और प्राणों को देश के लिए समर्पित कर दिया । झलकारी बाई की शहादत कैसे हुई इस पर इतिहासकार अलग अलग विचार रखते हैं, कुछ का मानना है की उन्हें जेल में डाल दिया गया और कुछ उनकी शहादत 4 अप्रैल 1857 को मानते हैं । वास्तविकता कुछ भी हो लेकिन इतना तो निश्चित है की ब्रिटिश हुकूमत झलकारी के राष्ट्र के प्रति समर्पण को आसानी से सहन नहीं कर सकती थी। झलकारी बाई की बहादुरी को देख हयूरोज का कहना पड़ा, कि अगर भारत की 1ड्ड महिलाएं भी झलकारी बाई जैसी हो जाएं।

देश में 'सनातन धर्म बोर्ड' अभियान और कुछ सवाल

हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। बंटेगे तो कटेंगे' के बाद हिंदुत्व एजेंडे की राह में नई मुहिम अब 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' की है। हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के हाथों में सौंपने की बात तो पहले से की जा रही थी। चार वर्ष पूर्व उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने बद्रीनाथ समेत 51 मंदिरों का प्रबंधन देवस्थानम बोर्ड से लेकर पंडे पुरोहितों के हाथों में सौंप दिया था। हाल में यह मुद्दा सबसे पहले आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरूपति प्रसादम में मिलावट की बात सामने आने पर उठाया था।उसके बाद इसे हिंदू साधु संतों की दूसरी पंक्ति ने हवा दी। दूसरी पंक्ति इसलिए क्योंकि इन साधु संतो में परंपरागत हिंदू धर्माचायों से ज्यादा संख्या कारपोरेट शैली में काम करने वाले कथा वाचकों की है। उनका अपना आभामंडल और भक्तों की फौज है। इसी संदर्भ में देश के नामी कथा वाचक एवं सनातन न्यास फाउंडेशन के के अध्यक्ष देवकीनंदन ठाकुर की पहल पर बीते 16 नवंबर को दिल्ली में धर्म संसद का आयोजन कर 'सनातन धर्म बोर्ड' गठन की मांग पर मुहर लगाई।हिंदुत्व के मुख्य पैरोकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से इस बारे में खुलकर प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन भाजपा के कुछ नेताओं, जिनमें त्रिपुरा के मत्स्यपालन मंत्री सुधांशु दास व भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर शामिल हैं, ने इस मांग का समर्थन किया है। बहरहाल, देश में हिंदू मंदिरों के नियंत्रण और रखरखाव को राज्य सरकारों और प्रबंधन ट्रस्टों के कब्जे से मुक्त कर हिंदू संतो, पुरोहितों के हाथों में देने की व्यापक मुहिम की यह पहली पायदान है। हालांकि, इस अभियान से कई बड़े और स्थापित संत अभी दूर हैं। ये वो संत हैं, जिनका भाजपा सरकारों में अच्छा रसूख है और संघ से भी उनके घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। फिलहाल प्रस्तावित सनातन धर्म बोर्ड का प्रारूप क्या हो, इस बारे में स्पष्टता नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि सिख गुरूद्वारा प्रबंधन की तर्ज पर यह बोर्ड काम कर सकता है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अनुसार प्रारूप तय करने के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। वैसे इस अभियान का राजनीतिक पहलू यह भी है कि देश में या तो मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड को खत्म किया जाए या फिर कुछ उसी तर्ज पर संवैधानिक रूप से हिंदू सनातन बोर्ड गठित किया जाए। उल्लेखनीय है कि इस साल सितंबर में सनातन धर्म रक्षा बोर्ड की जरूरत बताते हुए आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी

मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'सनातन धर्म रक्षा बोर्ड' का गठन किया जाए। इस पर व्यापक बहस होनी चाहिए।इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने देश की राजधानी दिल्ली में धर्मसंसद बुलाई। इसमें उन्होंने अन्य कथावाचकों और साधु संतों के अलावा राजनीतिक दलों के नेता जैसे मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जेपी नड्डा, अखिलेश यादव को भी निमंत्रण भेजा था। इनमें से कोई भी उसमें शामिल नहीं हुआ। इस धर्म संसद में 13 अखाड़ों से संतों के साथ ही हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वाराणसी, तीर्थ नगरियों के कई लोग शामिल हुए।कुछ लोग इसे भाजपा का ही राजनीतिक एजेंडा मान रहे हैं, क्योंकि इस धर्म संसद में समान नागरिक संहिता लागू करने, हलाल सर्टीफिकेट जारी करने वाली कंपनियों का विरोध तथा धर्मांतरण रोकने जैसी मांगें भी उठाई गई। समागम में शामिल जैन मुनि लोकेश ने देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द लागू करने की मांग की।धर्म संसद के मुख्य अतिथि द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने राम जन्म भूमि की तरह श्री कृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी मस्जिद भी हिंदुओं को सौंपने की मांग की। धर्म संसद में शामिल अन्य प्रमुख लोगों में सीहोर के पंडित प्रदीप मिश्रा, हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास, अयोध्या के डॉ.राम विलास वेदांती आदि थे। लेकिन इस धर्म संसद से स्वामी अवधेशानंद गिरी, स्वामी गोविंदगिरी स्वामी कैलाशानंद गिरी, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी चक्रपाणी, आचार्य प्रमोद कृष्णम्, स्वामी दीपांकर जैसी हस्तियां दूर रहीं। धर्म संसद के पहले 4 नवंबर को मथुरा में हिंदू संतों की एक महापंचायत भी हुई थी। दरअसल, हिंदू धर्म में मंदिरों के रखरखाव प्रबंधन और संचालन के लिए कोई एक सुनिश्चित व्यवस्था नहीं है। कई जगह सरकारों ने मंदिर प्रबंधन के लिए ट्रस्ट बना रखे हैं तो ज्यादातर मंदिरों का मैनेजमेंट पंडे पुरोहितों के भरोसे है। जबकि अखाड़ा परिषद का मानना है कि मंदिर प्रबंधन में सरकारी दखल होने से मंदिरों की परंपरा व व्यवस्था खंडित हो रही है। बताया जाता है कि अखाड़ा परिषद 'सनातन बो'र्ड का प्रारूप तैयार करवा रही है।इसमें 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों, हर प्रदेश के हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज, वरिष्ठ अधिवक्ता, तीर्थपुरोहित व एक हिंदू प्रशासनिक अफसर को शामिल करने का सुझाव दिया गया है। साथ ही सनातन बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को ही बनना चाहिए, क्योंकि उनके संपर्क में देशभर के धर्माचार्य रहते हैं। चेयरमैन सहित बोर्ड में कुल 21 सदस्य होने चाहिए। इसी मुद्दे पर संत पुरोहित समाज में रस्साकशी शुरू हो गई है। बोर्ड का चेयरमैन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को बनाने के प्रस्ताव का अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने पुरज़ोर विरोध किया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी और सचिव रूपेश मेहता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे पत्र में मांग की गई है कि सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का नेतृत्व शंकराचार्यजी को करना चाहिए न कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष को। क्योंकि बोर्ड का प्रारूप बनाने का अधिकार अखाड़ा परिषद को नहीं है। शंकराचार्यजी सनातन धर्म के सर्वमान्य प्रतिनिधि हैं। हालांकि अखाड़ा परिषद के भी दो धड़े हो चुके हैं। एक धड़े के अध्यक्ष निर्वानी अखाड़े से और दूसरे निरंजनी अखाड़े से बताए जाते हैं।वैसे सनातन बोर्ड के अलावा भारत के हिंदुओं को धार्मिक आधार पर संगठित करने और उसे एक कानूनी संगठन का रूप देने के लिए देश में संवैधानिक 'राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड' की स्थापना भी प्रस्तावित है। भारत का प्रत्येक हिंदू इस बोर्ड का सदस्य होगा। उसे राष्ट्रीय हिंदू बोर्ड के प्रमुख को चुनने के लिए मताधिकार होगा। हालांकि हर हिंदू को इसका सदस्य बनने की अनिवार्यता नहीं होगी, जबकि जैन, सिख और बौद्ध धर्मावलंबी भी चाहें तो इसके सदस्य बन सकते हैं। प्रस्तावित बोर्ड के पास हिंदू मंदिरों के प्रबंधन के कानूनी अधिकार होंगे। वर्तमान में बड़े मंदिरो के प्रबंधन और स्वामित्व से जुड़े विवाद भी यह बोर्ड ही सुलझाएगा। इस कानून के तहत राष्ट्रीय सनातन रजिस्ट्रार की नियुक्ति होगी। यह कानून बनने के बाद मंदिरो के प्रबंधन के लिए वर्तमान में लागू हिन्दू देवस्थानम अधिनियम अप्रभावी हो जाएगा। यह ट्रस्ट हिंदू धर्म स्थानों का पंजीयन तो करेगा, लेकिन विभिन्न सम्प्रदायों, पन्थो, मठो आदि का अधिग्रहण नहीं करेगा, और न ही उनके दान का प्रबंधन करेगा। सभी विवाद नागरिको की जूरी द्वारा ही सुने जायेंगे।सनातन महजब की तरह अपने आप में कोई धर्म नहीं है। जो शाश्वत है, वही सनातन है और हिंदू धर्म व जीवन शैली की मुख्य धारा है। वर्तमान में देश में करीब 7 लाख छोटे बड़े हिंदू मंदिर हैं। इनमें भी सर्वाधिक मंदिर तमिलनाडु में हैं। अंग्रेजों के समय पर हिंदू मंदिरों के रखरखाव को लेकर पहली बार कानून 1863 में बना। इसके बाद तत्कालीन मद्रास (अब तमिलनाडु) में 1925 में हिंदू मंदिरों का प्रबंधन शक्तिशाली कमिश्नर बोर्ड के माध्यम से करने का कानून बना। केरल में मंदिरों के प्रबंधन के लिए देवस्वोम बोर्ड है, जो मंदिर के पुजारियों और अन्य स्टाफ की भर्ती भी करता है। कर्नाटक में सरकार हिंदू मंदिरो से भी टैक्स वसूलती है। वहां लागू कानून में प्रावधान है कि 1 करोड़ रू से अधिक वार्षिक आय वाले हिंदू मंदिरों को कमाई का 10 फीसदी व 10 लाख रू. तक की आय वाले मंदिरों को कमाई का 5 फीसदी सरकार को देनी होगी।सनातन बोर्ड बनेगा या नहीं, या कब बनेगा, यह मोदी सरकार पर निर्भर है, लेकिन जिस सुनियोजित तरीके से यह मांग उठाई जा रही है, उसका कुछ तो नतीजा निकलेगा। सवाल यह है कि क्या नई व्यवस्था भी मंदिरों का निर्विवाद संचालन कर पाएगी? क्योंकि अव्यवस्थाओं की शिकायतों के बाद ही तो इस काम में सरकारों ने हाथ डाला था।

प्रसार निदेशालय शुआट्स प्रयागराज बिहार राज्य के चयनित 46 कृषिकों का पांच दिवसीय कृषि परिभ्रमण कार्यक्रम का समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रसार निदेशालय शुआट्स प्रयागराज जनपद पटना बिहार राज्य के चयनित 46 कृषिकों का आत्मा योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषि परिभ्रमण कार्यक्रम का समापन दिनांक दिनांक 22 11 2024 को प्रसार निदेशालय में हुआ प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम के अनुसार पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रसाद डॉक्टर प्रवीण चरण ने कृषिको संमन्वित कृषि प्रणाली में उपयोगिता के बारे में संदर्भित करते हुए कहा कि कृषि के विभिन्न उद्योग में फसल उत्पादन मवेशी पालन फल तथा सब्जी उत्पादन मछली पालन वानिक इत्यादि का जब एक साथ इस प्रकार समायोजन किया जाए कि वह एक दूसरे के पूरक हो जिससे संसाधनों की क्षमता उत्पादन एवं लाभप्रदता मे पर्यावरण की सुरक्षित रखते हुए वृद्धि की जा सके तो इससे हम संमन्वित कृषि प्रणाली कह सकते हैं इस प्रणाली के द्वारा किसान अपने खेतों में संरहित जल से फसल अच्छादान बढ़ा सकते हैं तथा उपलब्ध संसाधनों का भरपूर दोहन करते हुए अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रम इसी प्रणाली पर केंद्रित था जिसमें प्रसार निदेशालय एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किषको को प्रशिक्षित किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एसआरएस सर्टिफिकेशन इंडिया के निदेशक श्री किरण कुमार ने जैविक खेती और उसके प्रमाणीकरण पर जानकारी प्रदान की तथा कृषकों को रसायन मुक्त जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अंधाधुन रसायनों के प्रयोग से भूमि

का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है जिससे उत्पादन में कमी के साथ-साथ विषैला उत्पाद लोगों को प्राप्त होता है जिससे स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है अतः जैविक खेती के प्रयोग द्वारा इन समस्याओं का निराकरण के जैविक सलाहकार श्री दिनेश गुरनानी ने प्रशिक्षण्णर्थियों को जैविक खेती की विभिन्न आयामों से परिचित करातेहुए कहा कि जैविक उत्पादन न सिर्फ आज के समय की आवश्यकता है अपितु निरन्तर जैविक खेती का फस्ल में उनयोग द्वार रासायनिक कीटनाशकों का प्रभाव शैनः-शैन कम किया जा सकता है तथा गुणवत्ता युक्त उत्पाद प्राप्त किया जा सकता है इस विचार पर समन्वयक डॉक्टर अरुण यादव ने श्रीअन्न को खाद्य सुरक्षा के लिए एक स्थाई विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा कि भारतवर्ष की भौगोलिक दशाएं विभिन्न प्रकार की हैं जहां पर तापमान वर्षा मिट्टी के प्रकार फसल इत्यादि में काफी भिन्नता पाई जाती है श्रीअन्न एक अपरिष्कृत अनाज है जिसे सर्वाधिक पोषक तत्व वाला अनाज माना जाता है तथा यह ग्रामीण इलाकों में व्यापक कुपोषण को समाप्त करने के लिए एक उत्तम खाद्य पदार्थ के रूप में प्रयोग किया जाता है लोगों को उत्तम स्वास्थ्य एवं बेहतर जीवन शैली के लिए रागी,सॉवा, चीना कोदों एवं कुटकी के बने खाद्य पदार्थों को भी अपने दैनिक भोजन में अवश्य शामिल करना चाहिए प्रशिक्षण संवेग डॉक्टर मनीष कुमार केसरवानी ने श्रीअन्न उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि श्रीअन्न की फसलों में कम सिंचाई और बिना उर्वरक के प्रयोग के भी उत्पादित किया जा

सकता है यह फसले ऊर्जा प्रोटीन विटामिन एवं खनिज तत्वों के अच्छे स्रोत हैं तथा प्रोटीन लाइसिन और थायोनिन को छोड़कर सभी प्रकार के आवश्यक अमीनो अम्ल होते हैं जिसके कारण श्रीअन्न अपनी पौष्टिकता एवं औषधिय के लिए जाने जाते हैं इसमें फाइटो रसायन एवं सूचना पोषक तत्वों की प्रचुरता होने के कारण पोषक अनाज भी कहा जाता है श्रीअन्न के उत्पादन में विभिन्न कर्षण क्रियाओं में दक्ष उन्नत कृषि यंत्रों के प्रयोग से तथा वैज्ञानिक प्रबंधन के द्वारा लागत में कमी तथा शुद्ध लाभ को बढ़ाया जा सकता है कार्यक्रम के सहभागिता कर रहे आत्मा पटना के टीम लीडर श्री अभिषेक कुमार एवं सुमन सौरभ ने परिभ्रमण कार्यक्रम पर प्रसन्नता जाहिर की ओर कहा कि विगत पांच दिवसों में अल्पाविधि में शिक्षकों को सम्मिलित कृषि प्रणाली पशुपालन एकत्रित नाशीजीव प्रबंधन एवं कटाई उपरांत प्रबंध के विषय में सैद्धान्वित एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिए जाने पर प्रसन्नता जाहिर की विगत पांच दिनों में विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि संबंधित जानकारी प्रदान की डॉक्टर रामपाल सिंह ने पशुपालन तथा उनके भोजन आदि के रखरखाव के लिए विशेष बातें बताएं डॉक्टर योगेश चंद्र श्रीवास्तव ने जैविक खेती तथा जैविक विधि से खेती करने के लाभ के बारे में जानकारी प्रदान की डॉक्टर टी डी मिश्रा ने उद्यान विज्ञान के विषय के अंतर्गत फूल की खेती करने लाभ अर्जित करने के विषय में जानकारी प्रदान की डॉक्टर शिशिर कुमार ने संमन्वित कृषि प्रणाली की जानकारी दी तथा कम लागत पर अधिक आय अर्जित करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान की परिभ्रमण कार्यक्रम के अंतिम सत्र में डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण कराया एवं शोध परियोजनाओं के कार्यरत वैज्ञानिकों से कृषिको मार्गदर्शन कराया तथा समसामयिक कृषि संबंधित समस्याओं का निराकरण कराया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं निदेशक प्रसार के कार्यक्रम में प्रतिभागी कृषि को प्रमाण पत्र का वितरण किया उन्होंने किसी कृषिको पांच दिवसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए बधाई दि व उनके उज्जवल भविष्य की कामना।

पुलिस द्वारा चलाया जा रहा महिला जागरूकता व सशक्तिकरण अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं/बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान ''मिशन शक्ति फेज-05 अभियान'' चलाया जा रहा है । इसी क्रम मे गुरुवार को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी/महिला बीट आरक्षियों/एण्टीरोमियों टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बीट/गांव/मंदिरो/पॉर्को आदि में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा मिशन शक्ति फेज-05 के सम्बन्ध में सभी बालिकाओं/महिलाओं को जागरूक किया, उनकी समस्याओं को सुनते हुए उन्हें मनचलों, अराजक तत्वों से निपटने तथा आत्मरक्षा करने के लिए आवश्यक आत्मरक्षात्मक गुण सिखाये गये इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता हेतु संचालित विभिन्न

हेल्पलाइन नंबरों जैसे- 1090-वुमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया ।

बॉलीवुड/टेली मसाला

तलाक के बाद एआर रहमान ने साझा की पहली पोस्ट, जाहिर की इस बात की खुशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एआर रहमान ने 29 साल की शादी के बाद पत्नी सायरा बानो से अलगाव का एलान कर दिया है। इसी बीच संगीतकार अपनी इन मीडिया अवार्ड्स 2024 में सर्वश्रेष्ठ स्कोर-विदेशी भाषा फिल्म का पुरस्कार जीता। इसी को लेकर रहमान ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा को मान्यता देने के लिए हॉलीवुड म्यूजिक एंड मीडिया अवार्ड्स का बहुत आभारी हूं। यह प्रोजेक्ट प्यार का परिणाम था, और मैं इस पल को संगीतकारों और तकनीशियनों

हालिया पोस्ट में इस बात की खुशी जाहिर करते नजर आए हैं। संगीतकार एआर रहमान ने मंगलवार रात अपने प्रशंसकों को तब चौंका दिया जब उन्होंने और उनकी पत्नी सायरा बानो ने शादी के 29 साल बाद अलग होने की घोषणा की। अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर साझा किए गए उस पोस्ट के बाद रहमान अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। हालांकि, शुक्रवार की सुबह संगीतकार ने अलगाव के बाद अपनी पहली सोशल मीडिया पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में संगीतकार को खुशी जाहिर करते देखा गया है। आखिर इसके पीछे की वजह क्या है, चलिए जान लेते हैं-दरअसल, एआर रहमान ने गुरुवार को एक बड़ी जीत हासिल की। उन्होंने मलयालम फिल्म 'द गोट लाइफ' में अपने काम के लिए हॉलीवुड म्यूजिक लिया।एआर रहमान ने आधी रात के बाद एक्स पर हॉलीवुड म्यूजिक इन मीडिया अवार्ड्स में विजेताओं की पूरी सूची पर एक बिलबोर्ड लेख साझा किया। उन्होंने इसके साथ लिखा, 'स्कोर- इंडिपेंडेंट फिल्म (विदेशी भाषा), द गोट लाइफ-एआर. रहमान।' पोस्ट को देखकर प्रशंसकों और साथी कलाकारों ने संगीतकार को बधाई दी। कई लोगों ने कहा कि इससे उन्हें 'ऑस्कर 2025' में सम्मानित किए जाने का मार्ग प्रशस्त हो गया।गुरुवार शाम को रहमान ने एक वीडियो भी जारी किया। इसमें वह फिल्म की टीम और प्रशंसकों को उनके साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद देते नजर आए। उन्होंने कहा, 'एक विदेशी भाषा की फिल्म द गोट लाइफ के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कोर का यह पुरस्कार प्राप्त करना एक अविश्वसनीय सम्मान है। मैं स्कोर की अपनी अद्भुत टीम, निर्देशक ब्लेसी और उन सभी लोगों के साथ साझा करता हूं जो हमारे द्वारा जीवन में लाए गए दृष्टिकोण पर विश्वास करते थे।'यह पुरस्कार रहमान और उनकी पत्नी सायरा बानो द्वारा अलग होने की घोषणा के एक दिन बाद दिया गया है। रहमान और सायरा ने साल 1995 में शादी की और उनके तीन बच्चे हैं। मंगलवार की रात रहमान ने एक नोट जारी किया जिसमें लिखा था, 'हमें ग्रैंड थर्टी तक पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा लगता है कि सभी चीजों का एक अनदेखा अंत होता है। यहां तक कि भगवान का सिंहासन भी टूटे हुए दिलों के वजन से कांप सकता है। फिर भी, इस बिखराव में हम अर्थ तलाशते हैं। हमारे दोस्तों, आपकी दयालुता के लिए और इस नाजुक दौर से गुजरते समय हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद।

वरुण धवन ने लिंकडिन पर बनाया प्रोफाइल, खुद को बताया- 'अभिनेता निवेशक, असिस्टेंट डायरेक्टर'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन लिंकडिन पर अपनी प्रोफाइल बनाई है। अपनी प्रोफाइल बनाने के बाद उन्होंने कुछ बातें कही हैं। साथ ही खुद को अभिनेता, निवेशक और असिस्टेंट डायरेक्टर बताया है। बॉलीवुड व्यक्ति के तौर पर, मुझे कड़ी मेहनत, टीमवर्क और लगातार विकसित होने के महत्व के बारे में बहुत कुछ सीखने का सौभाग्य मिला है।इस प्लेटफॉर्म में वरुण धवन ने खुद को 'अभिनेता, निवेशक, असिस्टेंट डायरेक्टर' बताया है। साथ ही यहां 300 करोड़ रुपये की 'मेगा हिट' कहा, अगर मैंने कुछ सीखा है, तो वह यह है कि सीखने के लिए हमेशा कुछ नया होता है, चाहे आप अपने करियर में कहीं भी हों। मैं उन सभी चीजों के बारे में यहां बात करने के लिए उत्साहित हूं।अभिनेता वरुण धवन की फिल्म सिटाडेल हाल

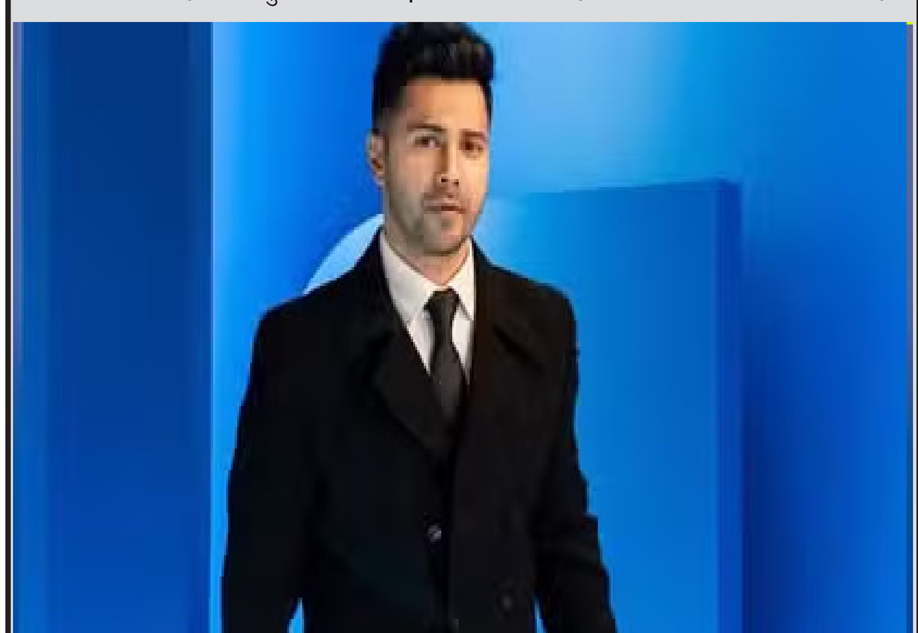

अभिनेता वरुण धवन ने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंकडिन ज्वाइन किया है। अभिनेता ने 21 नवंबर को लिंकडिन पर नए चैप्टर की शुरू किया है। अपने एक्टिंग करियर को लेकर वरुण धवन ने कुछ बातें भी साझा की हैं। आइए आपको बताते हैं कैसी है वरुण धवन की प्रोफाइल। वरुण धवन ने लिंकडिन पर लिखा, सभी को नमस्कार। मैं इस समुदाय में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। एक दशक से ज्यादा समय से फिल्म उद्योग में काम करने वाले फिल्मों में काम करने और कंटेंट-संचालित सिनेमा में कदम रखने के उनके अनुभव पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने बताया कि स्टूडेंट ऑफ द ईयर, बदलापुर और भेड़िया जैसी फिल्मों में काम किया है।वरुण ने अपनी पोस्ट में कहा कि वे कुछ खास चीजें इस पेज पर साझा करना चाहेंगे, जो भी उन्होंने अपने करियर में अब तक सीखा है। वरुण धवन ने कहा, डायरेक्टर, अपने सह-कलाकरों से जो भी सीखा है, वो भी जल्द लिंकडिन पर साझा करेंगे। वरुण धवन ने ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में सामंथा के साथ वे स्क्रीन साझा करते नजर आ रहे हैं। वरुण धवन की फिल्म को प्रशंसकों का प्यार मिल रहा है। 'सिटाडेल हनी बनी' 7 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज हुई। इस फिल्म के ट्रेलर से 90 के दशक की रोमांचक और दिलचस्प स्पाई थ्रिलर की झलक नजर आ रही है। इस फिल्म के ट्रेलर को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। वरुण और सामंथा फिल्म में जासूस का किरदार निभा रहे हैं।

आनंद एल राय करने जा रहे हॉरर कॉमेडी फिल्म का निर्माण, 'नई नवेली' में नजर आएंगे ये अभिनेत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हॉरर-कॉमेडी फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता देखते हुए आनंद एल राय 'नई नवेली' का निर्माण करने जा रहे हैं। वहीं, इस फिल्म में बॉलीवुड की इस अभिनेत्री के जुड़ने की खबरें हैं। कृति सेनन ने हाल ही में 'दो पत्ती' से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया है। इस मूवी को दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली। एक करीबी सूत्र ने इस नए प्रोजेक्ट के लिए अभिनेत्री के उत्साह का खुलासा करते हुए कहा, 'कृति सेनन आनंद एल राय के साथ कई सहयोगों पर चर्चा कर रही हैं और वह उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हैं।' रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'हॉरर कॉमेडी इस सीजन का स्वाद है और नई नवेली को लोकप्रिय शैली में एक नया रूप लाने की उम्मीद है।' हालांकि,

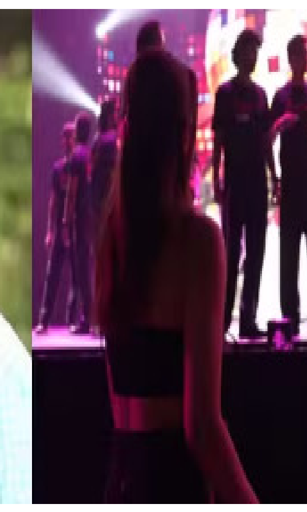

अब अभिनेत्री अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। रिपोर्ट की मानें तो कृति ने आनंद एल राय के जरिए निर्मित एक हॉरर कॉमेडी फिल्म साइन की है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी रूप से 'नई नवेली' शीर्षक वाली यह फिल्म राय के बैनर कलर येलो प्रोडक्शंस के तहत बनाई जाएगी। यह फिल्म 'तेरे इश्क में' पर काम करने के बाद कृति सेनन और आनंद एल राय के बीच एक और सहयोग का प्रतीक है।'तेरे इश्क में' का एक बड़ा हिस्सा पूरा होने के बाद 'नई नवेली' का प्रोडक्शन 2025 के मध्य में शुरू होगा। फिल्म से जुड़े फिल्म में कृति सेनन के किरदार के बारे में विवरण अभी भी गुप्त हैं। 'नई नवेली' के निर्देशक का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह ज्ञात है कि यह अवधारणा राय के कार्यालय में विकसित की गई है। हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' बनाने के अलावा, आनंद एल राय बहुचर्चित 'तनु वेड्स मनु' फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग का निर्देशन करने की भी तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में कंगना रणौत और आर माधवन मुख्य भूमिका में होंगे और यह अगले साल के अंत में रिलीज होगी। आने वाले महीनों में इन फिल्मों पर और अधिक और बड़ी जानकारी आने की उम्मीद है।

दीपिका पादुकोण से लेकर ऋतिक रोशन तक, मानसिक समस्याओं पर खुलकर बात करने वाले सितारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के कई सितारे मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात कर चुके हैं। इनमें शाहरुख खान, अनुष्का शर्मा, दीपिका पादुकोण, संजय दत्त, इलियाना डिक्रूज और ऋतिक रोशन जैसे नाम शामिल हैं। इन सितारों ने यह संदेश दिया स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना कर चुके हैं और उन्होंने इसे सार्वजनिक रूप से साझा भी किया है। आइए जानते हैं इनके बारे में...बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान, जल्द ही किंग नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। लोग अक्सर यह मानते हैं कि

कि मानसिक समस्याएं किसी के जीवन का हिस्सा हो सकती हैं और इन पर बात करना चाहिए, ताकि लोगों में जागरूकता और स्वीकृति बढ़ सके। हमारे समाज में मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा काफी कम की जाती है। जब लोग मानसिक समस्याओं का सामना करते हैं, तो वे उन्हें अक्सर नजरअंदाज करते हैं, क्योंकि इस तरह की चीजों को आमतौर पर गंभीरता से नहीं लिया जाता। यह स्थिति तब और भी जटिल हो जाती है, जब लोग अपनी मानसिक परेशानियों को स्वीकार नहीं करते और उन पर खुलकर बात करने से कतराते हैं। हालांकि, समाज में जागरूकता फैलाने में बॉलीवुड के कई प्रमुख सितारों ने सकारात्मक कदम उठाए हैं। हाल ही में आमिर खान ने खुलासा किया था कि वह अपनी बेटी आयरा के साथ संयुक्त रूप से थेरेपी ले रहे हैं, जिससे उन्हें काफी फायदा भी मिला है। आमिर के अलावा कई बॉलीवुड सितारे भी मानसिक शाहरुख की जिंदगी परफेक्ट है और उनके पास शानदार करियर, आलीशान घर, और अनगिनत पुरस्कार जैसी चीजें हैं, लेकिन शाहरुख भी मानसिक रूप से परेशानियों का सामना कर चुके हैं। एक इंटरव्यू में शाहरुख ने बताया था कि कंधे की सर्जरी के बाद वह गहरे डिप्रेशन में चले गए थे और यह समय उनके लिए बेहद कठिन था।विराट कोहली की पत्नी और बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने भी मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात की है। उन्होंने एक बार साझा किया था कि एक समय वह खुद डिप्रेशन का शिकार हो चुकी थीं। अनुष्का का मानना है कि मानसिक समस्याओं पर बात करने में किसी को शर्मिंदा नहीं होना चाहिए। अभिनेत्री के मुताबिक यह कोई अजीब या असामान्य समस्या नहीं है, और इसे लेकर समाज में भय को समाप्त करना जरूरी है।अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का सामना कर चुकी हैं।

एक्टिंग से रिटायरमेंट नहीं लेंगे नाना पाटेकर, बोले- 'पागल हो जाऊंगा या किसी को मार डालूंगा'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नाना पाटेकर फिल्म वनवास से बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। उन्होंने एक्टिंग न छोड़ने की बात कही है। साथ ही कहा कि अगर वे एक्टिंग नहीं करेंगे तो या तो पागल हो जाएंगे या किसी को मार भी सकते हैं। नाना पाटेकर प्रदूषण, इतनी घुटन। वहीं, एक्टिंग से उन्हें एक लक्ष्य और एक अलग तरह की शांति मिलती है।नाना पाटेकर ने कहा कि वे जिस तरह से अपना भविष्य देखते हैं, वो थोड़ा सा अलग है। उन्होंने कहा कि अगर उनके पास काम नहीं होगा तो वे कैसे जिएंगे। उन्होंने कहा

को सिनेमा की दुनिया का सबसे शानदार अभिनेता माना जाता है। वे दशकों से फिल्म जगत में काम कर रहे हैं। अभी भी उनके अंदर काम करने का जोश बरकरार है। नाना पाटेकर अपनी फिल्म वनवास के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए वे कई जगहों पर जा रहे हैं। रिटायरमेंट पर बोले नाना पाटेकर अनिल कपूर ने बातचीत में नाना पाटेकर से पूछा कि वे फिल्मों से रिटायरमेंट लेना चाहते हैं? इसके जवाब में नाना पाटेकर ने कहा, वे रिटायरमेंट की बात को नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, मैं कैसे रिटायर हो सकता हूं? अगल-बगल (हमारे आस-पास) में इतना कुछ हो रहा है, इतना कि शायद वे मर जाएं, शायद पागल हो जाएं या किसी को मार दें। वो नहीं जानते कि एक्टिंग छोड़ने पर क्या होगा। काम उनके जीवन का एक अविभाज्य हिस्सा बन गया है और उनकी मानसिक शांति के लिए महत्वपूर्ण है।मजाक में कहा कि रिटायर होना 'मुश्किल' होगा क्योंकि उनके घर के लोग उन्हें बर्दाशत नहीं कर पाएंगे। नाना पाटेकर को उनके अलग अंदाज और फिटनेस के लिए जाना जाता है। नाना पाटेकर अब फिल्म वनवास में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ उत्कर्ष शर्मा भी दिखने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन और निर्माण अनिल शर्मा ने किया है।

चेन्नई के छात्र ने 'अमरण' के निर्माताओं पर किया केस, जानें क्यों मांगा 1.1 करोड़ रुपये का मुआवजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी की फिल्म 'अमरण' के निर्माताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चेन्नई के एक इंजीनियरिंग छात्र मुआवजे के रूप में 1.1 करोड़ रुपये की मांग की गई है। 31 अक्तूबर, 2024 को रिलीज हुई शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी स्टारर इस फिल्म के एक सीन में कई कॉल आने लगीं। फोन को लगातार बजता देखकर पहले तो वह भ्रमित हुए। उन्होंने कॉल म्यूट कर दी, लेकिन अगले दिन रुकावटें बढ़ गईं। वॉइस मैसेजेस को सुनने

ने नोटिस भेज 1.1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। चेन्नई के एक इंजीनियरिंग छात्र वीवी वागीसन ने तमिल फिल्म 'अमरण' के निर्माताओं को कानूनी नोटिस जारी किया है। उन्होंने फिल्म में उनके निजी मोबाइल नंबर के उपयोग के कारण हुई परेशानी के लिए छात्र का नंबर दिखाए जाने के बाद हंगामा शुरू हो गया, जिसके बाद कई प्रशंसकों ने इसे साईं पल्लवी का नंबर समझकर कॉल करना शुरू कर दिया। यह घटना तब हुई जब वागीसन अपने परिवार के साथ दीवाली मना रहे थे। अचानक से उनके फोन पर अननोन नंबर से के बाद उन्हें पता चला कि उनका नंबर फिल्म 'अमरण' के एक मुख्य सीन में दिखाया गया था।फिल्म में फोन नंबर देखकर दर्शक यह मानने लगे कि यह साई पल्लवी का नंबर है। फिर क्या था लोगों ने नंबर पर बैक टू बैक कॉल करनी शुरू कर दी। इसके कारण वागीसन की दिनचर्या गंभीर रूप से बाधित होने लगी। छात्र ने साझा किया, 'मैं बिना किसी बाधा के सो नहीं सकता, पढ़ाई नहीं कर सकता या यहां तक कि कैब बुक करने जैसी आवश्यक सेवाओं का उपयोग भी नहीं कर सकता।'वागीसन ने शुरुआत में फिल्म के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी और मुख्य अभिनेता शिवकार्तिकेयन को सोशल मीडिया पर टैग किया और उनसे मदद मांगी। हालांकि, फिल्म निर्माताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया। अपने वकील के माध्यम से, वागीसन ने मांग की कि उनका फोन नंबर फिल्म से हटा दिया जाए और उनके द्वारा सहन की गई कठिनाइयों और मानसिक पीड़ा के लिए मुआवजे के रूप में 1.1 करोड़ रुपये दिए जाए। छात्र ने स्पष्ट किया कि वह अपना नंबर नहीं बदलेगा क्योंकि यह आधार और बैंक डिटेल्स जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों से जुड़ा हुआ है। फिल्म के निर्माता और निर्देशक ने अभी तक कानूनी नोटिस का जवाब नहीं दिया है, जबकि वागीसन को लगातार कॉल का सामना करना पड़ रहा है। 'अमरण' की बात करें तो यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में सफल रही है।

ईशा के लिए बोले अविनाश मिश्रा, उनके साथ दोस्ती में अभी और प्रयास की जरूरत, विवियन ने दी ये सलाह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 में टाइम गॉड बनने के टास्क में अविनाश मिश्रा ने ईशा सिंह के साथ अपनी

दोस्ती को लेकर बात की है। विवियन डीसेना और करणवीर मेहरा की शिल्पा से दोस्ती पर भी सवाल उठे हैं। बिग बॉस 18 में अब तक घरवाले टाइम गॉड बनने की रेस में एक दूसरे से भिड़ते नजर आ रहे हैं। इस कार्य में ईशा सिंह, अविनाश मिश्रा, करणवीर मेहरा, दिग्विजय राठी, तजिंदर बग्घा नजर आए। टास्क के अंत में वाइल्ड कार्ड एंट्री दिग्विजय राठी घर के टाइमगॉड बन गए हैं। इस टास्क के दौरान अविनाश ने ईशा को लेकर कुछ बातें कही हैं। इस टास्क के दौरान सामने आया कि शिल्पा शिरोडकर विवियन डीसेना और करणवीर मेहरा के साथ अच्छा संबंध बनाकर गेम में आगे बढ़ रही हैं। इस दौरान बात सामने आई कि शिल्पा करणवीर के साथ समय बिताती हैं, इसके बाद भी उनके बीच अच्छी बॉन्डिंग है। विवियन शिल्पा के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। इस बात के जवाब में विवियन ने कहा, शिल्पा शिरोडकर के साथ अच्छी बॉन्डिंग होने की बात स्वीकार की और बताया कि उनकी दोस्ती का कोई एजेंडा नहीं है। अविनाश ने कहा कि बहुत बार ईशा के समझाने पर समझ नहीं आता। कई बार समझाना पड़ता है, या फिर एक अलग से स्टेप लेकर करना पड़ता है। चीजें ठीक करता हूं लेकिन अलग से। ऐलिस भी कहीं न कहीं वैसी ही हैं। आखिरी में निष्कर्ष निकला कि उन्हें इसमें बहुत प्रयास करने पड़ते हैं। इस टास्क के दौरान कुछ बातें सामने आई हैं। शिल्पा शिरोडकर और चुम के लिए करणवीर मेहरा ने कहा कि अगर उनके दोस्त ट्रॉफी जीतते हैं तो वे हंसते-हंसते वो ट्रॉफी मुझे दे देंगे। इस पर अविनाश ने कहा, ट्रॉफी तो दे देंगे लेकिन उसे पहले ही घर से निकाल देंगे। इससे पहले भी शिल्पा करणवीर को घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट कर चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।